CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-341
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 13 मार्च 2024

आज का विचार

क्यों डरें ज़िन्दगी में क्या होगा , कुछ ना होगा तो तज़रूबा होगा

पेज-04

गंभीर अनियमितताः एमआईसी की स्वीकृति के बिना करवा दी रजिस्ट्रियां

रतलाम नगर निगम आयुक्त अखिलेश गहरवार सस्पेंड

भोपाल। राज्य शासन ने रतलाम नगर पालिक निगम आयुक्त अखिलेश गहरवार को गंभीर अनियमितता करने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने निलंबन संबंधी आदेश मंगलवार को जारी कर दिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार आयुक्त गहरवार के खिलाफ पिछले कुछ समय से गंभीर अनियमितताओं की शिकायतें प्रकाश में आई थीं। जांच प्रतिवेदन के अनुसार रतलाम में सिविल सेंटर के 22 प्लाटों की रजिस्ट्री विभिन्न व्यक्तियों के नाम कूटरचित तरीके से संपादित की गई थीं। उनके द्वारा रजिस्ट्री के पूर्व एमआईसी अथवा परिषद से सक्षम अनुमति प्राप्त नहीं की गई थी। इसके साथ ही जांच प्रतिवेदन में अन्य गंभीर अनियमितताएं भी सामने आयी हैं। निलंबन अवधि में आयुक्त गहरवार का मुख्यालय कार्यालय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास उज्जैन निर्धारित किया गया है। रतलाम नगर निगम आयुक्त कार्यशैली के चलते मार्च 2023 में ज्वाइनिंग के बाद से सुर्खियों में छाए हुए थे। खास बात यह है कि निलंबित आयुक्त गहरवार मई माह में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उसके पहले उनके खिलाफ राज्य शासन ने अनियमित्ता बरतने के मामले में बड़ा एक्शन लिया। निलंबन आदेश के दो घंटे पहले ही रतलाम आए नगरीय प्रशासन विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का आयुक्त ने स्वागत भी किया था।

22 भूखंडों की रजिस्ट्री और नामांतरण का मामला

मंगलवार को मध्यप्रदेश शासन नगर विकास एवं आवास विभाग के उपसचिव हर्षल पंचोली के हस्ताक्षर से निलंबन आदेश जारी हुआ है। हाल ही में 7 औ 9 मार्च को रतलाम नगर निगम का वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट पेश के लिए साधारण सम्मेलन बुलाया था। सम्मेलन में नगर निगम आयुक्त गहरवार के खिलाफ भाजपा पार्षदों ने जमकर नाराजी जताते हुए राजीव गांधी सिविक सेंटर के 22 भूखंडों की एमआईसी और परिषद की सक्षम स्वीकृति बिना अनियमितता करते हुए रजिस्ट्री और नामांतरण कराने के गंभीर आरोप लगाए थे। इसके पूर्व भाजपा जिला महामंत्री निर्मल कटारिया ने भी तत्कालीन कलेक्टर भास्कर लाक्षाकार को सिविक सेंटर के भूखंड की नियम विपरित रजिस्ट्री पर आपत्ति लेते हुए मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। तत्कालीन कलेक्टर भास्कर लाक्षाकार ने आरोपों से घिरे निलंबित निगम आयुक्त गहरवार का जांच प्रतिवेदन राज्य शासन को भेजा था। सम्मेलन के दूसरे दिन सत्ता धारी दल के सभी भाजपा पार्षदों ने जब खड़े होकर आयुक्त गहरवार से जवाब मांगा तो उन्होंने चैलेंज देते हुए कहा कि आप मेरे खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाओ, तब मैं जवाब दूंगा।

उनकी नागरिकता पर कोई असर नहीं होगा, उन्हें हिंदुओं जैसे ही अधिकार

गृह मंत्रालय बोला- भारतीय मुसलमान सीएए से डरें नहीं

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार 12 मार्च को फिर नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों को और स्पष्ट करने की कोशिश की। कहा, 18 करोड़ भारतीय मुसलमानों को किसी भी स्थिति में नागरिकता संशोधन अधिनियम से डरने की जरूरत नहीं है। इससे उनकी नागरिकता और समुदाय पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वे भारत में रहने वाले हिंदुओं की तरह ही अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे पहले मंगलवार

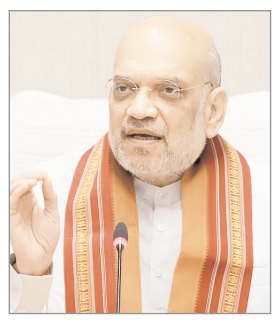

को ही सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए के तहत भारतीय नागरिकता के लिए गृह मंत्रालय ने वेब पोर्टल लॉन्च किया। इस पर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों से नागरिकता के लिए आवेदन मांगे गए हैं। केंद्र ने सोमवार (11 मार्च) को सीएए का नोटिफिकेशन जारी किया था। इसके साथ ही यह कानून देशभर में लागू हो गया। असल में मुस्लिमों के एक धड़े ने सीएए को लेकर चिंता जताई थी। गृह मंत्रालय ने इसी को क्लियर किया है।

17 सितंबर को मनेगा 'हैदराबाद मुक्ति दिवस', मोदी सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। केंद्र ने मंगलवार को हैदराबाद के लिए बड़ी घोषणा की. इसमें कहा गया है कि हर साल 17 सितंबर का दिन 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' के रूप में मनाया जाएगा. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि 15 अगस्त, 1947 को भारत की आजादी के बाद 13 महीने तक हैदराबाद को आजादी नहीं मिली और वह निजामों के शासन में था. 'ऑपरेशन पोलो' नामक पुलिस कार्रवाई के बाद 17 सितंबर, 1948 को यह क्षेत्र निजाम के शासन से मुक्त हो गया था. क्षेत्र के लोगों की ओर से मांग की गई है कि 17 सितंबर को हैदराबाद मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाए. पीटीआई के मुताबिक अधिसूचना में कहा गया है, अब हैदराबाद को आजाद कराने वाले शहीदों को याद करने और युवाओं के मन में देशभक्ति की लौ जगाने के लिए, भारत सरकार ने हर साल 17 सितंबर को 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है. बता दें कि जब 15 अगस्त 1947 में भारत को आजादी मिली, तो रजाकारों ने भारत संघ में इसके विलय का विरोध करते हुए हैदराबाद को या तो पाकिस्तान में शामिल होने या मुस्लिम प्रभुत्व बनने का आह्वान किया था. स्थानीय लोगों ने इस क्षेत्र को भारत संघ में विलय करने के लिए रजाकारों के अत्याचारों के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी. रजाकार जो कि एक निजी मिलिशिया था, उसने यहां के लोगों पर अत्याचार किए थे और हैदराबाद में तत्कालीन निजाम शासन का बचाव किया था. 17 सितंबर, 1948 को तत्कालीन हैदराबाद राज्य, जो निज़ामों के शासन के अधीन था, को तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा शुरू की गई सैन्य कार्रवाई के बाद भारत संघ में मिला लिया गया था.

कांग्रेस की दूसरी लिस्ट जारी, 6 राज्यों के 43 नाम

13 ओबीसी एक मुस्लिम उम्मीदवार; नकुलनाथ छिंदवाड़ा से, वैभव गहलोत जालोर से चुनाव लड़ेंगे

कांग्रेस ने मंगलवार (12 मार्च) को लोकसभा उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट का ऐलान कर दिया। इसमें 43 उम्मीदवारों के नाम हैं। मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ को छिंदवाड़ा से तो राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को जालोर से टिकट दिया गया है। इससे पहले 8 मार्च को जारी कांग्रेस की पहली लिस्ट में 39 नामों का ऐलान किया गया था। इस तरह कांग्रेस अब तक 82 नामों का ऐलान कर चुकी है। लिस्ट में 76.7त्न उम्मीदवारों की उम्र 60 साल से कम है।

पैसे दो और वन भूमि पर बिंदास ट्रैक्टर चलाओ, वनपाल हो गया सस्पेंड

रायसेन। रायसेन जिले में वन विभाग के एक वनपाल ने किसान से रिश्वत लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। रिश्वत लेने का यह पूरा मामला ओबेदुल्लागंज वन मंडल के अंतर्गत आने वाली बाड़ी रेंज के भर्तीपुर बीट का है। वीडियो सामने आने के बाद डीएफओ ने एसडीओ की रिपोर्ट पर आरोपी वनपाल के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए तत्काल सस्पेंड कर दिया है। डीएफओ ने एसडीओ से मामले की जांच कर आठ दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। मामले की जांच होने तक आरोपी वनपाल को भर्तीपुर से हटाकर चिकलोद रेंज में पदस्थ कर दिया है।

उद्धव ठाकरे ने गडकरी को फिर दिया न्योता, बोले- सरकार में आए तो बनाएंगे मंत्री

मुंबई। लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में शिवेसना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। ठाकरे ने एक बार फिर उनसे कहा कि अगर उनका अपमान किया जा रहा है कि तो वे भाजपा छोड़ दें। महाराष्ट्र में विपक्ष लोकसभा चुनाव में उनकी जीत सुनिश्चित करेगा। बता दें, ठाकरे ने दो दिन पहले भी गडकरी को ऐसा ही न्योता दिया था, जिसे गडकरी ने अपरिपक्व बयान बताया। पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि ठाकरे को इस बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है कि भाजपा किसे टिकट दे रही है

या नहीं। ठाकरे ने मंगलवार को पूर्वी महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के पुसाद में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूर्व कांग्रेसी नेता कृपाशंकर सिंह जैसे लोग, जिस पर भाजपा ने कथित रूप से भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। हालांकि, अब उनको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उम्मीदवारों की पहली सूची में शामिल किया गया लेकिन इस सूची से गडकरी का नाम गायब था। मैंने दो दिन पहले ही गडकरी से कहा था और दोबारा कह रहा हूं कि अगर आपका अपमान हो रहा है तो आप भाजपा छोड़ दें और महाविकास अघाड़ी में शामिल हो जाएं। मैं सुनिश्चित करता हूं कि महाविकास अघाड़ी आप की जीत सुनिश्चित करेगा। हमारी सरकार सत्ता में आएगी तो हम आपको एक अहम मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपेंगे। दो दिन पहले ठाकरे द्वारा दिए गए न्योते को गडकरी ने हास्यास्पद बताते हुए ठुकरा दिया। उन्होंने ठाकरे के बयान को अपरिपक्व बताया है। पूर्व सीएम पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है कि भाजपा किसे मैदान में उतारती है। गडकरी ने कहा कि भाजपा ने चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर एक प्रणाली बना रखी है और उसी के अनुसार काम होता है। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा नीत राजग को 400 से अधिक सीटें मिलेंगी। बताते चलें कि, ठाकरे ने कहा था कि गडकरी को 'महाराष्ट्र की ताकत' दिखानी चाहिए। उन्हें दिल्ली के सामने झुकने के बजाय इस्तीफा दे देना चाहिए।

एसबीआई ने चुनाव आयोग को सौंपी चुनावी चंदे की जानकारी

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने चुनावी बॉन्ड का विवरण चुनाव आयोग (ईसी) को सौंप दिया है। शीर्ष अदालत ने एसबीआई को चौबीस घंटे के भीतर चुनावी चंदे की जानकारी आयोग को सौंपने का आदेश दिया था। ईसी ने विवरण मिलने की पुष्टि की है। चुनाव आयोग ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय के 15 फरवरी और 11 मार्च के आदेश के अनुपालन में एसबीआई द्वारा आज ईसी को चुनावी चंदे की जानकारी प्रदान की गई है। इससे एक दिन पहले सर्वोच्च न्यायालय में एसबीआई की याचिका पर सुनवाई हुई थी, जिसमें राजनीतिक दलों के भुनाए प्रत्येक चुनावी बॉन्ड का ब्योरा देने की समयसीमा 30 जून तक बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। वहीं, उस याचिका पर भी सुनवाई थी, जिसमें एसबीआई के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया था। अदालत ने एसबीआई को राहत देने से इनकार करते हुए कहा था कि एसबीआई कल (मंगलवार) तक ही जानकारी चुनाव आयोग को सौंपे और चुनाव आयोग 15 मार्च तक चुनावी चंदे के विवरण को सार्वजनिक करे। एसबीआई की तरफ से सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई में वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे पेश हुए थे। साल्वे ने अदालत को बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद एसबीआई ने नए चुनावी बॉन्ड जारी करने पर रोक लगा दी है, लेकिन समस्या ये है कि जो चुनावी बॉन्ड जारी हुए हैं, उससे पूरी प्रक्रिया को पलटना होगा और इसमें समय लगेगा। हालांकि शीर्ष अदालत ने एसबीआई की दलील मानने से इनकार कर दिया और मंगलवार तक ही जानकारी देने का आदेश दिया।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मराठा आरक्षण पर तत्काल रोक लगाने ने किया इनकार, 10 अप्रैल को अगली सुनवाई

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार के हालिया मराठा आरक्षण अधिनियम पर तत्काल अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया. नवीनतम आरक्षण के खिलाफ याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से अंतिम सुनवाई और उनकी याचिकाओं के निपटारे तक अधिनियम के कार्यान्वयन पर अंतरिम रोक लगाने की मांग की थी. मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने हालांकि कहा कि किसी कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाले मामलों में अनुमानित संवैधानिकता का एक सिद्धांत है और इसलिए सभी तर्कों को उचित महत्व दिया जाना चाहिए. पीठ ने कहा, हम राज्य को अंतरिम राहत पर जवाब देने के लिए कुछ समय देना चाहते हैं. यह (कोटा निर्णय) एक साधारण प्रशासनिक आदेश नहीं है. यह एक कानून है. इसलिए हमें कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते समय निर्धारित सिद्धांतों को ध्यान में रखना होगा.

अनुमानित संवैधानिकता का एक सिद्धांत है. हमें सभी तर्कों को उचित महत्व देना होगा. कहा कि मराठों को आरक्षण देने का महाराष्ट्र सरकार का कदम एक कानून में निहित है, न कि किसी प्रशासनिक आदेश में और राज्य को याचिकाओं पर प्रतिक्रिया देने के लिए समय चाहिए. पीठ ने राज्य सरकार को मराठा समुदाय को नौकरियों और शिक्षा में अलग से 10 प्रतिशत कोटा देने वाले हाल ही में लागू कानून के कार्यान्वयन पर अंतरिम राहत की मांग करने वाली याचिकाओं के जवाब में एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया. पीठ ने यह भी बताया कि पिछले हफ्ते एक समन्वय पीठ ने कुछ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए एक अंतरिम आदेश में कहा था कि नए मराठा कोटा कानून के तहत दिया गया कोई भी एडमिशन या रोजगार इस अदालत के अंतिम आदेशों के अधीन होगा. पीठ ने कहा, यह अधिनियम के तहत एडमिशन या रोजगार चाहने वाले उम्मीदवारों के लिए एक स्पष्ट चेतावनी/संकेत/नोटिस है. हम अंतरिम राहत देने पर सभी याचिकाओं पर सुनवाई करेंगे. अदालत ने महाराष्ट्र सरकार को याचिकाओं के जवाब में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और सुनवाई स्थगित करते हुए कहा, अंतरिम राहत देने के मुद्दे पर हम 10 अप्रैल को याचिकाओं पर सुनवाई करेंगे. याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि अतीत में सुप्रीम कोर्ट ने मराठा समुदाय के सदस्यों के लिए आरक्षण को रद्द कर दिया था. याचिकाकर्ताओं में से एक, जो एक वकील भी हैं, गुणरतन सदावर्ते ने कहा कि नए मराठा कोटा कानून के साथ, महाराष्ट्र में नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का प्रतिशत 72 प्रतिशत हो गया है, जिससे सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए केवल 28 प्रतिशत रह गया है. एक अन्य याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील अरविंद दातार ने तर्क दिया कि सभी राज्यों के लिए आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत है. दातार ने कहा, सभी राज्य इस 50 प्रतिशत की सीमा का पालन कर रहे हैं. लेकिन महाराष्ट्र सरकार ने इसे पार कर लिया है. इसकी वैधता पर निर्णय होने तक अधिनियम के कार्यान्वयन पर रोक लगाई जानी चाहिए. पीठ महाराष्ट्र राज्य सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण अधिनियम, 2024 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसके तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षा में समुदाय को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है. कोटा सक्षम करने वाला विधेयक पिछले महीने राज्य विधानमंडल के एक विशेष सत्र में पारित किया गया था.

सुविधाः 9 साल से बंद रेलवे ट्रैक पर जैसे ही चले मेमू ट्रेन के पहिए यात्रियों के चेहरे खुशी से खिल उठे

बाबा ओंकार के दर्शन आसान, मेमू ट्रेन से 50 रुपए में खंडवा से सनावद

खंडवा। खंडवा से तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर सहित सनावद तक जाने के लिए मंगलवार को मेमू ट्रेन की शुरुआत की गई। खंडवा के प्लेटफार्म नंबर 5 से सुबह करीब 10.30 बजे इस ट्रेन को कैबिनेट मंत्री विजय शाह सहित खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बता दें कि करीब 9 साल से बंद रेलवे ट्रैक पर मेमू ट्रेन के पहिए जैसे ही चलने लगे, यहां से सनावद तक जाने वाले यात्रियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। हालांकि इसको लेकर पिछले 9 सालों में क्षेत्रीय लोगों को कई बार संघर्ष करना पड़ा। वहीं, खंडवा जिले के प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थ स्थल ओंकारेश्वर जाने वाले श्रद्धालुओं

को भी अब इस ट्रेन की सुविधा मुहैया होने से बाबा ओंकार के दर्शन आसानी से सुलभ हो सकेंगे।

निमाड़ वासियों को सौगात- खंडवा इंदौर नैरोगेज ट्रेन बंद होने के बाद उसके मीटर गेज से ब्रॉड गेज में परिवर्तित होने पर अब जाकर निमाड़ वासियों को मेमो ट्रेन की सौगात मिली है। खंडवा से सनावद के बीच ब्रॉड गेज बनने के बाद सवारी गाड़ी का बेसब्री से जनता को इंतजार था। आज खुशी का वह दिन आ ही गया जब जनता को ट्रेन के रूप में खंडवा से सनावद के लिए यात्री गाड़ी शुरू होने से सुविधा मिलेगी। फिलहाल इस ट्रेन के स्टॉपेज सनावद और खंडवा के बीच के स्टेशनों पर रहेंगे। इस ट्रेन की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल प्रोग्राम के बाद की गई।

यह रहेगा ट्रेन का समय- स्थानीय सांसद ने बताया कि खंडवा-सनावद के बीच यात्रियों के लिए यह ट्रेन चलेगी। ट्रेन नंबर 01091 खंडवा से सुबह 9 बजे रवाना होकर सुबह 10.30 बजे सनावद पहुंचेगी। वहीं ट्रेन संख्या 01092 सनावद से दोपहर 2.45 बजे रवाना होकर शाम 4.10 बजे खंडवा आएगी। इधर, सोमवार दोपहर एक बजे भुसावल मंडल से 8 रैक वाली मेमू ट्रेन खंडवा आई। इसका ट्रायल वाया मथेला-सनावद-खंडवा के बीच किया गया। इस दौरान शाम 5 बजे लाल चौकी क्रासिंग का सिग्नल ही फेल हो गया था, जिसके चलते करीब 45 मिनट तक गेट बंद रहा। सिग्नल ठीक नहीं होने पर सनावद से खंडवा आ रही मेमू ट्रेन क्रासिंग पर 30 मिनट खड़ी रही। बाद में झंडी दिखाकर 10 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से ट्रेन को निकाला गया।

ट्रेन के फेरे बढ़ाए जाने की मांग- जनमंच समिति के राकेश गहलोत ने सभी को बधाई देते हुए इस ट्रेन के फेरे बढ़ाए जाने के साथ शीघ्र ही इसे इटारसी और भुसावल से जोड़ने की मांग को भी दोहराया। इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र की समस्त इकाइयों ने सनावद स्टेशन के पास पुनासा रोड पर फाटक पर लगने वाले जाम के निराकरण के लिए रेलवे ओवर ब्रिज तथा अंडरपास की मांग की है।

सिंगल कॉलम

समय रहते वसीयत का पंजीयन करवा लें तो बच सकते हैं विवादों से

इंदौर। परिवारों में संपत्ति को लेकर अकसर विवाद की स्थिति बन जाती है। कई बार परिजन ही एक दूसरे के खिलाफ न्यायालय की शरण में चले जाते हैं। समय रहते संपत्ति के मूल मालिक वसीयत बनाकर पंजीयन कार्यालय में पंजीयन करवा लें तो, विवादों से तो बचा ही जा सकता है, वहीं स्वजन के बीच संबंध भी बरकरार रहते हैं। यह कहना है सीनियर चार्टर्ड अकाउंटेंट व टैक्स प्रैक्टिशनर एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल का। वे मंगलवार को हेलो नईदुनिया कार्यक्रम में वसीयत और संपत्ति उत्तराधिकार नियम के बारे में पाठकों के सवालों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, वसीयत सिर्फ संपत्ति उत्तराधिकारी घोषित करने तक ही सीमित नहीं है। वसीयत के माध्यम से इनकम टैक्स की योजना भी तैयार की जा सकती है। संयुक्त हिंदू परिवार की इनकम टैक्स के अनुसार नई फाइल बनाकर टैक्स में कानून के अनुसार बचत करना भी संभव है। इसके लिए टैक्स एक्सपर्ट की राय लेकर वसीयत बनानी चाहिए।

कहीं कथा होगी तो कहीं फाग की मस्ती भजनों के संग छाएगी

शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 13 मार्च को होंगे। इसमें कहीं कथा होगी तो कहीं फाग की मस्ती भजनों के संग छाएगी। शहर के तिरुपति बालाजी वेंकटेश देवस्थान गुमाश्ता नगर में वार्षिकोत्सव आयोजित किया जाएगा। यही नहीं शहर में कला प्रदर्शनी का आनंद भी कला प्रेमी ले सकेंगे और नाटक का मंचन भी शहर में होगा। तिरुपति बालाजी वेंकटेश देवस्थान गुमाश्ता नगर में वार्षिकोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसमें झलारिया पीठाधीश्वर स्वामी घनश्यामाचार्य महाराज के सान्निध्य में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। इसके तहत सुबह 9 बजे केसर अर्चना होगी। शाम को मंदिर परिसर में फूल बंगला सजाया जाएगा। छत्रीबाग स्थित श्रीरामद्वारा में इन दिनों श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ जारी है। कथा का वाचन संत हरी राम महाराज शास्त्री जोधपुर वालों के मुखारविंद से हो रहा है। भागवत कथा 17 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सुनी जा सकेगी। महाशिवरात्रि के अवसर पर झांकी दर्शन का आयोजन ओमशांति भवन, पलासिया में किया गया है। इसमें गंगा अवतरण से स्वर्णिम युग दर्शन झांकी के अंतर्गत भागीरथ की तपस्या से गंगा अवतरण, वर्तमान समय की पुकार, द्वादश ज्योर्तिलिंग दर्शन, डिवाइन विजडम स्पिरिचुअल आर्ट गैलरी, होलोग्राफिक शिवलिंग लोग देख सकेंगे। झांकी सुबह 7:30 से 8:30 एवं संध्या 5 से 6 तथा रात 7:30 से 8.30 बजे तक देख सकेंगे। चित्रकला में जिनकी रूचि है वे आज थोड़ा वक्त अपनी इस रूचि के लिए निकालें और एबी रोड स्थित प्रिंसेस बिजनेस स्काईपार्क में लगी रमेश आनंद के चित्रों की प्रदर्शनी को देखकर आएं। यह प्रदर्शनी सुबह 11 बजे से रात 8 बजे के दरमियां आप देख सकते हैं। बीते दिनों शहर में नाट्य स्पर्धा हुई थी। इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले नाटक मंचन आज फिर शहर में हो रहा है। सूत्रधार संस्था के इस प्रयास का आनंद आप शाम 6.30 बजे रविंद्र नाट्यगृह में लेने जा सकते हैं। शहर में शिव महापुराण कथा को श्रवण करने का सुअवसर भी भक्तों को मिल रहा है। यह अवसर नौलखा स्थित श्री सिद्धेश्वर वीर हनुमान मंदिर में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा में मिल रहा है। यहां कथा वाचक पंडित नारायण शास्त्री के मुखारविंद से 17 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक कथा सुनाई जा रही है।

इंदौर के खान-पान सेंटर करणावत समूह पर स्टेट जीएसटी की छापेमारी

इंदौर। खानपान के कारोबार से जुड़े करणावत समूह पर स्टेट जीएसटी ने मंगलवार को कार्रवाई की। इंदौर और आसपास करीब 40 प्रतिष्ठानों पर शाम पांच बजे बाद स्टेट जीएसटी की एंटी इवेजन टीम ने छापा मारा। कर चोरी की आशंका में जांच की जा रही है। करणावत समूह अपनी पान शाप और मेस के लिए पहचाना जाता है। विभाग को आशंका है कि पान और पान मसाले, देशी और विदेशी सिगरेट जैसी वस्तुओं के कारोबार में बड़े पैमाने पर कर चोरी की गई है। रात तक विभाग की जांच जारी थी।

भाजपा इंदौर में तैयार करेगी मालवा निमाड़ की लोकसभा सीटों की रणनीति

सिटी चीफ इंदौर।

भाजपा की लोकसभा चुनाव में मालवा-निमाड़ की सीटों पर कब्जा बरकरार रखने की रणनीति इंदौर से तय होगी। इंदौर के मुख्य चुनाव कार्यालय में न सिर्फ केंद्र और प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी बैठकें लेंगे, बल्कि वे यहीं से अन्य लोकसभा सीटों के लिए दिशा निर्देश और रणनीति भी जारी करेंगे। इंदौर कार्यालय के उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव बुधवार 13 मार्च को खुद इंदौर आ रहे हैं। शाम करीब 5.30 बजे कार्यक्रम होगा। चुनाव कार्यालय में बनाए जाने वाले मीडिया रूम में पल-पल का अपडेट उपलब्ध रहेगा। पार्टी ने यहीं वार रूम भी बनाया है। इसके अलावा वरिष्ठ नेताओं द्वारा ली जाने वाली गोपनीय बैठकों के लिए एक विशेष सभाकक्ष तैयार किया गया है। पार्टी कार्यालय की तीसरी मंजिल पर बनाया गया यह गोपनीय सभाकक्ष हाई टेक है। इंदौर देश के लगभग मध्य में स्थित है। यहां से दिल्ली सहित अन्य शहरों की कनेक्टिविटी बहुत आसान है। इंदौर एयरपोर्ट से रोजाना 100 से ज्यादा उड़ाने देश के अन्य शहरों के लिए उड़ती हैं। प्रदेश के प्रमुख नेताओं का इंदौर

आना-जाना लगा रहता है। मीडिया प्रभारी रितेश तिवारी, नितिन द्विवेदी ने बताया कि इंदौर में बनाए गए लोकसभा चुनाव कार्यालय के लिए कार्यालय प्रभारी घनश्याम शेर को बनाया गया है। इंदौर लोकसभा प्रभारी सुमेरसिंह सोलंकी, लोकसभा संयोजक रवि रावलिया, सह संयोजक गोपाल गोयल होंगे। एक दिन में पांच हजार सूचनाएं पहुंचा सकेंगे तिवारी ने बताया कि हाई टेक कार्यालय में सूचनाओं का लगातार आदान प्रदान होगा। हमारी व्यवस्था इस तरह से बनाई गई है कि हम एक दिन में पांच हजार से ज्यादा सूचनाएं कार्यकर्ताओं तक पहुंचा सकते हैं। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम के लिए थ्री स्टेप मंच बनाया गया है। 60 से ज्यादा वरिष्ठ पदाधिकारी के बैठने की व्यवस्था मंच पर रहेगी।

बहन के साथ जा रही युवती को इंजेक्शन लगाकर भागा बदमाश

सिटी चीफ इंदौर।

सराफा थाना क्षेत्र में बहन के साथ जा रही युवती को इंजेक्शन लगाकर युवक भाग निकला। सराफा थाने की पुलिस ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज किया है। इंजेक्शन में मिले पदार्थ की फारेंसिक एक्सपर्ट से जांच करवाई जा रही है। टीआइ दीपक यादव के मुताबिक, मल्हारगंज क्षेत्र निवासी 22 वर्षीय युवती बर्तन बाजार में काम करती है। मंगलवार रात वह बहन के साथ जा रही थी। धानगली में एक युवक आया और युवती को पीछे इंजेक्शन लगा दिया। युवती के चिल्लाने पर लोग एकत्र हुए तो आरोपित इंजेक्शन फेंककर भाग गया। पुलिस आई और इंजेक्शन जब्त कर लिया। हालांकि अभी साफ नहीं हो सका है कि युवक ने युवती को क्या इंजेक्शन लगाया और उसका इरादा क्या था।

युवती भी इस बारे में कोई जानकारी नहीं दे पा रही है। टीआइ के मुताबिक, इंजेक्शन में कुछ पदार्थ मिला है। पुलिस को किशोर नामक संदेही का नाम सामने आया है। रात में इंद्रानगर में उसकी तलाश में दबिश दी गई, लेकिन घर से फरार मिला।

इंदौर में राधे- राधे बाबा को अनजान नंबर से मिली धमकी

सिटी चीफ इंदौर।

छत्रीपुरा श्रीराम हनुमान मंदिर के महामंडलेश्वर और अखिल भारतीय संत समिति के संयुक्त केंद्रीय महामंत्री राधे-राधे बाबा को एक फिर धमकी मिली है। बाबा ने छत्रीपुरा थाना में शिकायत की है।महामंडलेश्वर राधे बाबा के अनुसार, फ़ोन 9 मार्च को रात 9:11 बजे आया था। काल करने वाले व्यक्ति ने नाम तो नहीं बताया लेकिन धमकाने लगा। बाबा ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई और जिस नंबर से कॉल आया वो भी पुलिस को बताये। टीआइ अजय राजोरिया के मुताबिक़, जिस नंबर से कॉल आया वो 14 डिजिट का है। कभी-कभी गफ़लत भी हो जाती है। धमकी जानबूझकर

दी गई यह स्पष्ट नहीं है। बाबा द्वारा मिली शिकायत की जांच की जा रही है। गौरतलब है राधे-राधे बाबा को पूर्व में भी धमकियां मिली है। इससे पहले राधे-राधे बाबा को नेपाल से धमकी भरा फोन काल आया था।

यदि मतदान के लिए नहीं मिली वोटर स्लिप तो क्या करें, जाने यहां

सिटी चीफ इंदौर।

आमतौर पर मतदाता जब मतदान का समय पास आता है, तो मतदाता सूची में अपना नाम और मतदान केंद्र खोजता है। इसके लिए बूथ लेवल आफिसर की तलाश करता है और मतदाता पर्ची मांगता है। कई बार चक्कर लगाने के बाद भी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल आफिसर नहीं मिल पाते हैं। इस समस्या का समाधान चुनाव आयोग ने वोटर हेल्पलाइन एप के रूप में निकालामतदाता इसे डाउनलोड करके न केवल मतदाता सूची में अपना नाम पता कर सकते हैं बल्कि यह भी देख सकते हैं कि उनका मतदान केंद्र कहां है। वैसे तो मतदान के कम से कम पांच दिन पहले मतदाता पर्ची मतदाता को मिल जानी चाहिए। इसके लिए बूथ लेवल आफिसरों को घर-घर भी भेजा जाता है पर किसी कारण से पर्ची नहीं मिल पाती है तो वोटर

हेल्पलाइन एप से डाउनलोड की जा सकती है। पूरी जानकारी मिलती हैं अब इस फोटोयुक्त पर्ची में क्यूआर कोड भी दिया जा रहा है। इसे स्कैन करने पर मतदाता की पूरी जानकारी सामने आ जाती है। साथ ही विधानसभा क्षेत्र और मतदान केंद्र की भी पूरी जानकारी मिल जाती है। मतदान केंद्र पर इसे साथ ले जाना होता है। मतदान कराने वाले अधिकारी इसे देखकर सूची में संबंधित मतदाता के नाम के आगे क्रास लगा देते हैं। इससे यह सुनिश्चित हो जाता है कि संबंधित मतदाता ने मतदान कर दिया है।

यदि कोई मतदाता पर्ची डाउनलोड नहीं कर पाता है या बूथ लेवल आफिसर घर नहीं पहुंचा पाता है तो बूथ के बाहर बूथ लेवल आफिसर बैठे रहते हैं, जो सूची में नाम देखकर तत्काल पर्ची बना देते हैं।

कैट परिसर में तेंदुए को पकड़ने के लिए लगाए पिंजरे, बड़गौंदा में भी दिखा तेंदुआ

सिटी चीफ इंदौर।

आरआर कैट में तेंदुए के मूवमेंट को लेकर मंगलवार को भी वन विभाग ने करीब चार घंटे सर्च आपरेशन चलाया। इसमें सीआइएसएफ के जवानों ने भी मदद की। बाद में परिसर के अलग-अलग स्थानों पर दो पिंजरे लगा दिए। वनकर्मियों के मुताबिक तेंदुए से जुड़ा कोई नया प्रमाण मंगलवार को नहीं मिला है। पगमार्क के आधार पर परिसर में एक तेंदुआ होने की पुष्टि होती है। हालांकि कैट परिसर से लगी कालोनियों में दूसरे दिन भी वनकर्मियों ने लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी। प्रदेशभर में तेंदुओं की संख्या बढ़ी है। 2022 की गणना के आधार पर 3907 तेंदुए मिले हैं। यह आंकड़ा 2018 की तुलना में 486 अधिक है। वैसे अकेले इंदौर वनमंडल में तेंदुओं की संख्या में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई है। इंदौर, चोरल, महू और मानपुर में मिलकर 70 तेंदुए हो चुके हैं। इनके संरक्षण की दिशा में कई सामाजिक संस्थाएं काम करने में लगी हैं। रहवासी इलाकों की तरफ बढ़ा रूख जंगल को खत्म कर शहर का तेजी से विकास किया जा रहा है। यह स्थिति देश के अधिकांश राज्यों में देखी जा सकती है। जहां विकास की वजह से जंगल का दायरा सिमटने लगा है। हालत यह है कि जंगल से सटकर कालोनियां और टाउनशिप काटी जा रही है। जानवरों के रहने की जगह कम होने से इनका रूख अब रहवासी इलाकों की तरफ होने लगा, क्योंकि जंगल में पानी और भोजन खत्म हो चुका है। यही वजह है कि सालभर में रहवासी इलाकों में तेंदुए का मूवमेंट देखा गया। जैसे महू सैन्य परिसर, इंफोसिस-टीसीएस, आइआइटी परिसर, सिल्वर स्प्रिंग सहित कई इलाकों में रहा।

ओंकारेश्वर मंदिर की तरह दिखेगा नया रेलवे स्टेशन, स्टेशन भवन का 30 फीसद हुआ कार्य

सिटी चीफ इंदौर।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु और पर्यटकों को ध्यान में रख नया ओंकारेश्वर रोड स्टेशन बनाया जा रहा है। इस स्टेशन भवन में जहां अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं होंगी, वहीं अध्यात्म का परिवेश भी रहेगा। भवन को ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की तर्ज पर डिजाइन किया गया है। इस वर्ष दिसंबर तक इस स्टेशन को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। भवन का कार्य 30 प्रश तक हो चुका है। महू-ओंकारेश्वर रोड स्टेशन रेलखंड एक फरवरी 2023 से बंद कर दिया गया था। गत वर्ष अक्टूबर में नए ओंकारेश्वर रोड स्टेशन का काम शुरू हुआ। नया स्टेशन मौजूदा स्टेशन भवन से सनावद की ओर करीब 1.3 किमी दूर मेन रोड से लगकर मोरधड़ी गांव में बनाया जा रहा है। जमीनी सतह से यह स्टेशन करीब दो मीटर ऊंचाई पर आकार ले रहा है। स्टेशन पर दोनों ओर से आना-जाना रहेगा। खास बात यह है कि स्टेशन प्रवेश के लिए अंडरपास से होकर आना होगा। इसके साथ ही यहां बन रहे दो प्लेटफार्म को आपस में कनेक्ट करने के लिए पैदल पुल की जगह अंडरपास बनाया जाएगा। नया स्टेशन 560 मीटर लंबा होगा। दो प्लेटफार्म के साथ तीन रेल लाइन डाली जाएगी, जिसमें से एक मेन लाइन होगी। हाई लेवल के प्लेटफार्म बनेंगे। नए ओंकारेश्वर रोड स्टेशन की डिजाइन मंदिर की तरह होगी। यहां पर पार्किंग, ठहरने के लिए रिटायरिंग रूम, तैयार होने के लिए वेटिंग हाल सहित अन्य सुविधा श्रद्धालुओं और पर्यटकों को मिलेगी। पूरे स्टेशन पर ओंकारेश्वर तीर्थ, नर्मदा नदी और आस-पास की धरोहर-पर्यटन स्थल की पेंटिंग और जानकारी चस्पा की जाएगी। स्टेशन निर्माण कार्य करीब 30 फीसद पूरा हो चुका है।

सनावद तक 50 फीसदी काम पूरा

जानकारी के अनुसार नए ओंकारेश्वर स्टेशन से सनावद के बीच 5.4 किमी खंड पर छोटे-बड़े 12 ब्रिज बनाए जा रहे हैं, जिनमें से 10 का काम पूरा हो चुका है। कुछ हिस्सों में पटरी बिछाने काम भी पूरा कर लिया गया है। यहां पानी निकासी के लिए रेल लाइन के साथ दोनों ओर पांच किमी लंबी नाली बनाई जा रही है। मोरटक्का पर रेलवे फाटक-274 पर अंडरपास बनाया जाना है, जिसका काम शुरू हो चुका है। यहां पर ऊपर से रेल लाइन और नीचे से वाहन गुजरेंगे। अंडरपास बनने से यहां जाम की समस्या से निजात मिल जाएगी।

मेमू ट्रेन का होगा विस्तार

मंगलवार से सनावद-खंडवा रेलखंड पर मेमू ट्रेन का संचालन शुरू हो चुका है। ओंकारेश्वर रोड स्टेशन बनने के बाद इस ट्रेन का यहां तक विस्तार हो जाएगा। महाराष्ट्र की ओर ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग तीर्थ आने वाले श्रद्धालु सीधे ट्रेन से यहां तक आ सकेंगे।

सफर का ऐसा इंतजार, जो सालों से खत्म नहीं हो रहा, दो केंद्रीय योजनाएं अब भी अधूरी

सिटी चीफ इंदौर।

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर को अन्य शहरों से जोड़ने वाले दो प्रमुख मार्गों को फोर लेन बनाने की योजना पूरी नहीं हो सकी है। इंदौर-खंडवा-एदलाबाद और इंदौर-हरदा-बैतूल मार्ग को टू लेन से फोर लेन किया जाना है। केंद्रीय योजना के तहत बनाए जाने वाले दोनों मार्गों पर निर्माण पूरा होने में करीब दो साल का समय लगेगा। इंदौर-हरदा-बैतूल मार्ग को फोर लेन करने की कवायद करीब आठ साल से चल रही है। कई बार इसकी घोषणा हुई, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ पाया। करीब 272 किमी लंबे इंदौर-हरदा-बैतूल हाईवे के हरदा से इंदौर की तरफ वाले काम को गत वर्ष से गति मिली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा अलग-अलग चरणों में इसका निर्माण किया जा रहा है। पहले चरण में बैतूल से हरदा तक का काम लगभग पूरा हो चुका है। हरदा से कन्नौद तक सड़क निर्माण का काम जारी है। फोर लेन प्रोजेक्ट के तहत इंदौर से करनावद (राघोगढ़) ग्रीनफील्ड

हाईवे का काम भी शुरू हो गया है। बायपास स्थित एमआर-10 चौराहे से राघोगढ़ तक 26.65 किमी सड़क निर्माण की लागत 358 करोड़ रुपये है। इंदौर के मुहाने से काम शुरू हो चुका है। अभी दो साल का समय इंदौर से हरदा तक फोर लेने का काम पूरा होने में लगेगा। अलाइनमेंट में बदलाव के कारण देरी से शुरू हुआ काम एनएचएआइ द्वारा 216 किमी लंबे इंदौर-खंडवा-एदलाबाद मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। कई बार इसे फोर लेन करने की घोषणा हुई, लेकिन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। गत वर्ष भूमिपूजन के बाद का शुरू किया गया। सड़क के अलाइनमेंट में कई बार बदलाव के कारण काम देरी से शुरू हुआ। यह सड़क पांच चरणों में बनाई जा रही है। पहले चरण में तेजाजी नगर से बलवाड़ा तक 33 किमी सड़क का निर्माण होगा। इसके बाद बलवाड़ा से धनगांव तक 40 किमी हिस्से में सड़क बनेगी। कुल लागत 950 करोड़ रुपये है। रिंग रोड की अब शुरू हुई प्रक्रिया इंदौर के आसपास 140 किमी लंबा रिंग रोड बनाने की योजना सालों पहले तैयार की गई थी, ताकि अन्य शहरों से आने वाले वाहन शहर से बाहर से निकल सके। सालों तक इसकी योजना बनती रही, लेकिन काम शुरू नहीं हो सका। अब इसकी की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 64 किमी लंबी पश्चिमी रिंग रोड का निर्माण 2000 हजार करोड़ रुपये की लागत से होगा। पहले चरण में 34 किमी और दूसरे चरण में 30 किमी हिस्सा बनेगा। 77 किमी लंबी पूर्वी रिंग रोड का निर्माण तीन चरण में किया जाएगा। इसके टेंडर की प्रक्रिया जारी है।

निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाम

खास दुकान से गणवेश व कापी-किताब खरीदने दबाव डाला तो होगी एफआइआर

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी के अधिकांश निजी स्कूलों द्वारा किताबों की सूची और फीस की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। वहीं दूसरी तरफ निजी स्कूलों द्वारा निश्चित दुकानों से कापी-किताबें व गणवेश खरीदने का दबाव अभिभावकों पर बनाया जाने लगा है। नवदुनिया में निजी स्कूलों के खिलाफ फीस, गणवेश के संबंध खबर प्रकाशित होने के बाद निजी स्कूलों पर नकेल कसने के लिए कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को विशेष दुकानों से कापी-किताब व ड्रेस खरीदने का दबाव बनाने पर धारा 144 के तहत कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। स्कूलों का नवीन शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू हो रहा है। वहीं अभिभावकों की शिकायत पर संयुक्त संचालक अरविंद चौरगड़े ने सोमवार को आदेश जारी कर निर्देशित किया है कि जिला शिक्षा अधिकारी सुनिश्चित करें कि जिले के सीबीएसई, आइसीएससी, एमपी बोर्ड समेत सभी प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं तक स्कूल में संचालित की जाने वाली किताबों, कापियों व यूनिफार्म की सूची 31 मार्च तक अपने विद्यालय के सूचना पटल पर लगाएं। साथ ही विद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड करें। कलेक्टर ने जारी आदेश में लिखा है कि निजी स्कूल आगामी शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के पहले लेखक एवं प्रकाशक के नाम और मूल्य के साथ कक्षावार पुस्तकों की सूची विद्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित करें। स्कूल के विद्यार्थियों को ऐसी सूची मांगने पर उपलब्ध कराई जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थी एवं उनके अभिभावकगण इन पुस्तकों को उनकी सुविधा अनुसार खुले बाजार से खरीद सकें। प्रत्येक स्कूल प्रबंधक, प्राचार्य अपने स्कूल में प्रत्येक कक्षा में लगने वाली पाठ्य पुस्तकों और प्रकाशकों की जानकारी को डीईओ की वेबसाइट अनिवार्यत: अपलोड करें। किसी भी प्रकार की शिक्षण सामग्री पर स्कूल का नाम अंकित नहीं होना चाहिए। स्कूल के सूचना पटल पर यह भी अंकित किया जाए कि अभिभावक किसी विशेष दुकान से खरीदने के लिए बाध्य नहीं है। कहीं से भी किताबें व गणवेश खरीद सकते हैं।

वाहन टकराने पर महिला ने की कारोबारी की कार में तोड़फोड़, एफआइआर दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी के एमपीनगर इलाके में एक एक महिला ने कारोबारी की कार में तोड़फोड़ कर हंगामा मचा दिया। कारोबारी का कसूर सिर्फ इतना था कि उनकी कार महिला की कार से टकरा गई थी। इस बात से महिला इतनी आक्रोशित हो गई कि उसने सड़क पर हंगामा करना शुरू कर दिया और कारोबारी की कार में तोड़फोड़ कर चली गई। बाद में कारोबारी की शिकायत पर एमपीनगर पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर ली है। हालांकि व्यापारी की शिकायत पर एफआइआर होने में 12 दिन का समय लग गया। अब पुलिस उस कार में सवार महिला की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज तलाश रही है। एमपीनगर थाने के जांच अधिकारी जीपी सिंह के मुताबिक ओल्टी सिटी भोपाल के रहने वाले 55 वर्षीय मजहर मुस्तफा खान कप्यूटर की दुकान चलाते हैं। वह कार लेकर एमपीनगर में 29 फरवरी को किसी काम से एमपीनगर आए थे। जहां जोन-1 में स्थित स्मार्ट पार्किंग के बाहर से वह कार से निकल रहे थे। उसी दौरान सामने से महिला कार चलाकर आ रही थी। आसपास वाहन खड़े होने की वजह से जगह काफी संकरी थी। तभी मजहर मुस्तफा की कार महिला की कार से टकरा गई। इस पर महिला कार से उतरी और उनके साथ विवाद करने लगी। थोड़ी देर में महिला ने उनकी कार में तोड़फोड़ करना शुरू कर दी। कारोबारी ने उनको काफी रोकने की कोशिश की ,लेकिन वह नहीं रूकी। इस घटना के दौरान आसपास के व्यापारी और लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाद में महिला घटना के बाद आराम से कार में बैठकर निकल गई। बाद में इस पूरी घटना की पीडित कारोबारी ने एमपीनगर थाने में लिखित शिकायत की। इस पर पुलिस ने जांच के बाद 12 दिन बाद एफआइआर दर्ज कर ली है। फिलहाल पुलिस आरोपित महिला की पहचान नहीं कर पाई है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की मदद महिला तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

डिफाल्टर की अचल संपत्ति पर डीआरटी ने लिया कब्जा, पांच डुप्लेक्स नीलाम

सिटी चीफ भोपाल।
न्यायालय ऋण वसूली अभिकरण जबलपुर के रिकवरी अधिकारी वात्सल्य कुमार के आदेश पर सात साल से ज्यादा पुराने एनपीए खाते में डिफाल्टर की अचल संपत्ति के कब्जा लेने के आदेश का पालन कराया गया। कोर्ट के इस आदेश पर कोर्ट कमिश्नर महेश पांडे ने भोपाल के कोलार में कार्रवाई की और पांच डुप्लेक्स का कब्जा नीलामी लगाने वालों को सौंप दिया। कार्रवाई कराने वाले अधिवक्ता महेश पाण्डे ने बताया कि श्रीमती दी बिग साड़ी माल ने केनरा बैंक से ऋण प्राप्त किया था। इसमें पैलेस आर्केड, ग्राम दामखेड़ा कोलार रोड, भोपाल स्थित डुप्लेक्स न. सी-95, सी-96, सी-97, सी-111, सी-112 को बंधक किया था। संपत्ति स्वामी सुंदरी लिलवानी, रमेश लिलवानी, विजय लिलवानी, सिमरन लिलवानी, दिनेश लिलवानी निवासी भोपाल की उक्त बंधक संपत्ति को कोलार पुलिस बल की सहायता से भौतिक कब्जे में लिया गया। साथ ही नीलामी खरीदारों- मेसर्स आदि शक्ति त्रिकाल इन्फ्रा प्रायवेट लिमिटेड (विवेक त्रिपाठी), रश्मि भदकारिया, आरती यादव, आकांक्षा सेठ एवं प्रवीन शुक्ला को भौतिक कब्जा दे दिया गया।

संपत्ति बेचकर होगी वसूली
इसी स्थान की अन्य संपत्ति सी-110 को डीआरटी के द्वारा अपने कब्जे में ले लिया गया, जिसे बेचकर डीआरटी द्वारा वसूली की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान एडवोकेट कमिश्नर महेश पाण्डे के साथ रंजन कुमार पाणी मुख्य प्रबंधक केनरा बैंक भोपाल, अंजनी कुमार सिंह मण्डल प्रबंधक, अभिनव गुप्ता प्रबंधक, आशीष शर्मा विधि अधिकारी, किशोर सेनेरे एवं अन्य बैंक अधिकारियों के साथ क्षेत्रीय जन भी उपस्थित थे।

जलकर खाक हुई लग्जरी कार के बदले बीमा कंपनी को चुकाने होंगे 24.83 लाख, यह है मामला

सिटी चीफ भोपाल।
लग्जरी कार जलने पर उसकी जिम्मेदारी से बचने वाली बीमा कंपनी को अब हर्जाने के रूप में 24.83 लाख रुपये चुकाने होंगे। दरअसल आउडी कार के जलने के बाद बीमा कंपनी यह कहते हुए हर्जाना देने से इंकार कर दिया कि हमारी जांच के अनुसार उपभोक्ता ने कार में आग खुद ही लगाई होगी। कार मालिक ने उपभोक्ता आयोग की शरण ली जिसके बाद आयोग ने कंपनी के दावे को गलत ठहराते हुए उपभोक्ता को हर्जाना देने के निर्देश दिए। जहांगीराबाद निवासी अलमास सिद्धिकी ने जिला उपभोक्ता आयोग में इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमि के शाखा प्रबंधक के खिलाफ 2020 में याचिका लगाई थी। कार मालिक सिद्दकी ने शिकायत की थी कि उसने आउडी कार 32 लाख रुपये में खरीदी थी। कार का बीमा भी कराया था। रास्ते में जाते हुए कार के डैशबोर्ड से धुआं निकलने लगा । इसके बाद वे वाहन से बाहर निकल गए और कुछ देर में देखते-देखते कार में आग लग गई। कुछ ही देर में कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई ।उपभोक्ता ने 32 लाख रुपये में चार पहिया वाहन एचडीएफसी बैंक से 30 हजार रुपये में फायनेंस कराया था। उसने वाहन का 30 लाख रुपये में 10 अगस्त 2018 से नौ अगस्त 2019 तक के लिए बीमा कराया था। सात माह बाद उपभोक्ता की कार में आग लग गई और पूरी तरह जलकर खाक हो गई, लेकिन बीमा कंपनी ने बीमा राशि देने से इंकार कर दिया। बीमा कंपनी ने कहा-जानबूझकर आग लगाई गई बीमा कंपनी ने मामले में फारेंसिक जांच रिपोर्ट भी सौंपी थी। इसमें लिखा था कि आग जानबूझकर बाहर से लगाई गई थी, लेकिन इसे साबित नहीं कर पाए कि आग बाहर से लगी है। कंपनी की ओर से सर्वेयर ने 24.73 लाख की क्षति वाहन में बताई, लेकिन बीमा कंपनी बीमा राशि देने से इंकार कर दिया। साथ ही आयोग ने बीमा कंपनी के तर्क को खारिज कर दिया और बीमा राशि देने का आदेश दिया। मामले में आयोग की अध्यक्ष गिरिबाला सिंह, सदस्य अंजुम फिरोज व अरूण प्रताप सिंह ने बीमा कंपनी को 24.73 लाख रुपये सहित मानसिक क्षतिपूर्ति राशि 10 हजार रुपये भी देने के आदेश दिया।

मध्य प्रदेश के एक करोड़ 20 लाख परिवारों को मिला स्वास्थ्य सुरक्षा कवच

सिटी चीफ भोपाल।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को पांच लाख रुपये तक मुफ्त उपचार की गारंटी दी है। मध्य प्रदेश में एक करोड़ 20 लाख से अधिक परिवारों को इसका लाभ मिल रहा है। प्रदेश चार करोड़ 70 लाख से अधिक पात्र हितग्राही हैं, जिसमें तीन करोड़ 96 लाख हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। आयुष्मान कार्ड बनाने में मध्य प्रदेश, देश में उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे नंबर पर है।मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने विधानसभा चुनाव के पहले इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में जनता के सामने प्रस्तुत किया था। दूसरी बात यह केंद्र सरकार द्वारा उपचार के लिए तय पैकेज के अतिरिक्त राज्य सरकार भी आवश्यकता के अनुसार इसमें नई बीमारियों को जोड़ती रही है। एक अप्रैल से 359 बीमारियां जोड़ने की तैयारी है। अभी 1500 से अधिक तरह बीमारियां पैकेज में शामिल हैं। आयुष्मान भारत योजना के अधिकारियों ने बताया के प्रदेश भर में सरकारी और निजी अस्पताल मिलाकर हर दिन लगभग चार हजार रोगी उपचार के लिए भर्ती किए जा रहे हैं। राज्य की लगभग 80 प्रतिशत आबादी को इस योजना का लाभ मिल रहा है। गड़बड़ी रोकने के लिए निगरानी तंत्र को मजबूत बनाया गया है।

बांधवगढ़ में बाघों के शिकार की समिति करेगी जांच, अन्य टाइगर रिजर्व में शिफ्ट होंगे बाघ

सिटी चीफ भोपाल।
बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों की लगातार मौत के मामले की अब तीन सदस्यीय समिति जांच करेगी। विगत तीन वर्षों 2021, 2022 और 2023 में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और उसके आसपास के वनमंडलों में बाघ के शिकार और मृत्यु के कई प्रकरण सामने आए हैं। इन प्रकरणों में अधिकारियों की लापरवाही भी सामने आई है। कुछ प्रकरणों में पुराने क्षत-विक्षत बाघ के शव मिले हैं और कुछ प्रकरणों में बाघों के शरीर के अवयव ही गायब हो गए इसलिए बनाई जांच समिति इन प्रकरणों में न तो आरोपितों के तलाश की गई और न ही वे गिरफ्तार किए गए और न ही एनटीसीए की एसओपी का पालन किया गया। इसके चलते अब वन्य प्राणी शाखा ने प्रभारी वाइल्ड लाइफ वार्डन शुभरंजन सेन ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और शहडोल वन वृत्त के अंतर्गत तीन साल में बाघों की मौत के प्रकरणों की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई है।

एक माह में रिपोर्ट देगी समिति
वहीं, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से बाघ अन्य टाइगर रिजर्व में शिफ्ट किए जाएंगे। इनमें स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स के प्रभारी रितेश सिरोठिया समिति के अध्यक्ष बनाए गए हैं। स्कूल आफ वाइल्ड लाइफ फारेंसिक एंड हेल्थ जबलपुर की सहायक प्राध्यापक डा. काजल जाधव और अधिवक्ता एवं मानसेवी वन्यप्राणी अभिरक्षक कटनी मंजुला श्रीवास्तव सदस्य बनाए गए हैं। यह समिति तीन वर्ष में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और शहडोल वन वृत्त में हुई बाघ के शिकार एवं मृत्यु प्रकरणों में स्थानीय अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई प्रतिवेदनों का सूक्ष्मता से अध्ययन करेगी और एक माह में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।

दो-तीन दिन और बढ़ेगी गर्मी, मप्र में पूरे सप्ताह ऐसा रहेगा मौसम

सिटी चीफ भोपाल।
अलग-अलग स्थानों पर सक्रिय दो मौसम प्रणालियों के असर से हवाओं का रुख बार-बार बदल रहा है, जिसके चलते राजधानी सहित प्रदेश के अधिकतर जिलों में तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। इसी क्रम में मंगलवार को प्रदेश के अधिकतर शहरों में रात एवं दिन के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। प्रदेश में सबसे अधिक 36.6 डिग्री सेल्सियस तापमान मंडला एवं दमोह में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, वातावरण में नमी नहीं रहने के कारण मौसम का इस तरह का मिजाज अभी दो-तीन दिन तक ऐसा ही बना रह सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी प्रकाश ढवले ने बताया कि वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान और उससे लगे जम्मू के आसपास द्रोणिका के रूप में मौजूद है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ भी ईरान और अफगानिस्तान के आसपास द्रोणिका के रूप में सक्रिय हो गया है। इन मौसम प्रणालियों के असर से हवाओं का रुख दक्षिणी एवं दक्षिण-पश्चिमी बना हुआ है। इस वजह से तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। दक्षिणी हवाएं चलने के कारण रात का तापमान भी बढ़ने लगा है। मध्य प्रदेश में तपिश बढ़ने लगी मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि दक्षिण भारत में तापमान बढ़ रहा है।

व्यापारियों ने ठगा, पुलिस ने भगाया, बुजुर्ग ने किया आत्मदाह का प्रयास

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। एक बुजुर्ग को व्यापारियों ने चौकीदारी कराने के बदले में रुपये न देकर ठग लिया तो वह न्याय के लिए पहले पुलिस थाने पहुंचा ।जहां से उसे भगा दिया गया और व्यापारी भी उसको मेहनताना नहीं दे रहे थे। सभी तरफ से परेशान होकर बुजुर्ग मजदूर आखिर न्याय की गुहार लगाने मंगलवार को कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचा ।जहां भी उसने हताश होकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। जब मामले की जानकारी कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को लगी तो उन्होंने पीड़ित को आर्थिक मदद देने के साथ ही मामले की जांच कराने के निर्देश दिए हैं।इसके अलावा जनसुनवाई में कुल 96 आवेदक आए जिनकी समस्या एडीएम अंकिता धाकरे एवं भूपेंद्र गोयल ने सुनी और संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार जुमेराती के दाल-चावल व्यापारी रघुवीर एंड संस कंपनी ने फुटपाथ पर रहने वाले 80 वर्षीय श्रवण अहिरवार को दुकान के बाहर चौकीदारी के लिए 50 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से देने की बात कही थी, लेकिन चौकीदारी की राशि मांगने पर अब व्यापारी शंकर, टीटू, राजा और ईशू ने बुजुर्ग को भगा दिया। बुजुर्ग हम्माल जब अपनी शिकायत लेकर हनुमानगंज थाने पहुंचा, तो उसे वहां से भगा दिया गया। जिससे क्षुब्ध होकर वह मंगलवार को कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में पहुंचा, जहां उसे कक्ष में जाने के लिए रुकने की बात कही गई। जिस पर उसने झोले में रखी आइल की बोतल निकालकर अपने ऊपर डाल ली, जैब से जैसे ही उसने माचिस निकाली, वहां मौजूद लोगों ने पकड़ लिया। जिसको देखते हुए अपर कलेक्टर भूपेंद्र गोयल ने मामले की जांच उपायुक्त श्रम जेसमीन अली सितारा को सौंपी है। बुजुर्ग ने बताया कि उसने व्यापारी शंकर की बात पर भरोसा करके उसकी दुकान की चौकीदारी की है, लेकिन उसने पैसे देने के नाम पर मेरे साथ मारपीट तक की है। घटना के बाद रघुवीर एंड संस कंपनी के शंकर, दाल चावल व्यापारी टीटू, राजा और ईशू को बुलाया गया। श्रम निरीक्षक ने चारों के बयान दर्ज कर लिए हैं। जिसकी जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सोंपी जाएगी।

10 हजार रुपये की राहत राशि दी
जानकारी मिलने के बाद कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बुजुर्ग को रेडक्रास से दस हजार रुपये की मदद करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बुजुर्ग के संबंध में जांच रिपोर्ट पेश करने के निर्देश उपायुक्त श्रम को दिए हैं। इधर पुलिस के कार्रवाई नहीं करने पर नाराजगी जताई है।

श्वान प्रेमियों की कलेक्टर से शिकायत
अशोका गार्डन स्थित वर्धमान ग्रीन पार्क निवासी रहवासियों ने बताया कि कालोनी में आवारा श्वान की संख्या अधिक है, जब भी नगर निगम के वाहन को श्वान पकड़ने के लिए बुलाया जाता है, तो श्वान प्रेमी इनसे झगड़ा करने लगते हैं।श्वान प्रेमी यशमीत पर कार्रवाई के लिए रहवासी नीलोफर, मासूमा खान, सफिया, शहाना, शाजिया सहित अन्य लोगों ने शिकायत दर्ज कराई है।

संपादकीय

इतिहास की स्मृति में लिपटी राख और धुएं की अंतहीन कथा

इंदौर हाईकोर्ट ने एक याचिका पर धार स्थित भोजशाला के सर्वे के आदेश आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) को दिए हैं, किंतु देखने वाली बात यह है कि हम बीस साल से एक ही चौराहे पर माथा पकड़े खड़े हैं। सर्वे की रिपोर्ट बिना सर्वे के ही सर्वज्ञात है। भोजशाला में पत्थर खुद बोलते हैं और खंडित हों या साबुत पत्थर झूठ नहीं बोलते। यह अयोध्या, मथुरा, काशी जैसी ही भारत के इतिहास की राख और धुएं की एक और कहानी है। दरअसल, कोर्ट का निर्णय आंखें खोलकर ठीक से देखने के आदेश जैसा है, क्योंकि जो दिख रहा है वह प्रमाण ही है। मुस्लिम समाज को व्यर्थ अड़ने और लड़ने से बाज आना चाहिए। वे ज्ञानवापी से लेकर भोजशाला तक इतिहास की पुकार सुनें। अतीत के आईने में अपनी असल खोई हुई पहचान को तलाशने का उनके लिए भी यह सही समय है। हम अपने ही असल इतिहास से बेखबर रखे गए देश हैं। बहुत कम लोगों को यह ज्ञात होगा कि राजा भोज के समय केवल धार में ही नहीं, उज्जैन और मांडू में भी ऐसी ही इमारतें बनाई गई थीं, जिन्हें आज भोजशाला कहा जाता है। ये मूलत: राजा भोज के सरस्वती कंठाभरण थे। फरवरी 2003 में जब शुक्रवार के दिन वसंत पंचमी आई तो धार की भोजशाला देशभर में चर्चा का विषय बनी थी, तब तक साल में केवल वसंत पंचमी के ही दिन हिंदुओं को पूजा की अनुमति थी किंतु मुसलमान हर शुक्रवार को नमाज कर सकते थे। मैं इतिहास के एक जिज्ञासु के रूप में गया था और मुझे भीतर नहीं जाने दिया गया था। एक हिंदू बमुश्किल साल में एक दिन और एक मुसलमान साल में 52 दिन बेधड़क जा सकता था। वसंत पंचमी ने मुझे अवसर दिया और मैंने देखा कि प्रवेश द्वार से लेकर भीतर कलात्मक स्तंभों की श्रृंखला भारत की प्राचीन स्थापत्य कला अपने प्रमाण स्वयं देती है। वह परमारों का एक उत्कृष्ट निर्माण था। परमार राजाओं की राजधानी पहले उज्जैन थी। राजा भोज ने धारा नगरी को अपनी राजधानी बनाया, जो आज का धार शहर है। भोजशालाएं मूलत: सरस्वती के मंदिर थे, जहां राज्य पोषित भारत की ज्ञान परंपरा के शिक्षण-प्रशिक्षण की व्यवस्थाएं व्यापक थीं। इनके नाम सरस्वती कंठाभरण थे। इतिहासविद डॉ. शशिकांत भट्ट इंदौर में रहते हैं, जिन्होंने मुझे यह बताया कि राजा भोज ने पहला सरस्वती कंठाभरण उज्जैन में बनवाया, दूसरा धार में और तीसरा मंडपदुर्ग में, जिसे आज मांडू कहते हैं। उज्जैन में वह अनंत पेठ मोहल्ले में आज बिना नींव की मस्जिद के रूप में मौजूद है, जो पहले एक उपेक्षित स्मारक की तरह लावारिस था और बाद में उस पर किसी इंतजामिया कमेटी ने अपना साइन बोर्ड टांग दिया था। डॉ. भट्ट ही मुझे लेकर वहां गए थे और यह जानकारी भी उन्होंने ही दी थी कि हमारी लापरवाही से हमारी विरासत किस तरह बरबाद हो रही है। मांडू में वह शाही परिसर में स्थित दिलावर खां का मकबरा है, जो धार की भोजशाला और उज्जैन की कथित बिना नींव की मस्जिद जैसे ही डिजाइन का है। धार की भोजशाला के पत्थर दोनों की तुलना में अधिक स्पष्ट हैं, जहां संस्कृत के कुछ नाटकों के शिलालेख भी दीवारों पर जड़े हैं। मुझे याद है उज्जैन में बिना नींव की मस्जिद के भीतर कब्जा करने वालों ने गाढ़े ऑइल पेंट से स्तंभों और दरवाजों को पोत दिया था ताकि मंदिर के चिन्ह नष्ट किए जा सकें। भगवती लाल राजपुरोहित जैसे विद्वानों ने राजा भोज के महान कृतित्व पर विस्तार से लिखा है। स्वयं राजा भोज की प्रसिद्ध रचना ‘समरांगण सूत्रधार’ उनकी रचनाशीलता का एक बेजोड़ ग्रंथ है, जिसमें निर्माण की तकनीकों पर बहुत विस्तार से सूत्रबद्ध किया गया है। राजस्थान के उदयपुर मूल के प्रसिद्ध अध्येता डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू ने एक हजार साल पुरानी रचना ‘समरांगण सूत्रधार’ की एक सुव्यवस्थित प्रति संपादित की थी।धार की भोजशाला पुरानी कब्रों के बीच एक रुला देने वाला बदहाल स्मारक है, जिसका यह हाल मुस्लिम कब्जों के समय हुआ। सन् 1401 में मालवा पर स्वतंत्र कब्जा करने वाले दिलावर खां गौरी ने इन तीनों सरस्वती कंठाभरणों को एक साथ ध्वस्त किया था और इनके ही मलबे से मस्जिदनुमा इमारतें खड़ी करवा दी थीं। मुगल हमलों में दो काम एक साथ होते थे। एक मंदिरों को ध्वस्त कर उनके मलबे से उसकी मूल पहचान मिटाकर एक नई इमारत खड़ी करना और स्थानीय लोगों की बलपूर्वक पहचानें बदलकर मुसलमान बनाना। आज उन्हीं बदली हुई पहचान वालों के वंशज मस्जिद के रूप में अपने झूठे दावे काशी से लेकर धार तक दोहराते हैं, जबकि उन्हें अपनी सच्ची शिनाख्त करने की जरूरत है। न वे कभी मुसलमान थे और न ही ज्ञानवापी या भोजशाला कभी मस्जिद थीं। वे हिंदू थे और ये मंदिर थे। राजा भोज की राजधानी धार की भोजशाला स्मृतियों में अधिक सुरक्षित रही जबकि उज्जैन और मांडू के स्मारक समय के साथ स्मृतियों से धुंधला गए। अयोध्या, मथुरा और काशी की तरह ही धार की भोजशाला भी सेक्युलर भारत में केवल हाशिए पर ही पड़ी रहीं या इनके लिए कोर्ट-कचहरी की लंबी यातना सहने के लिए हिंदुओं को छोड़ दिया गया। फरवरी 2003 में दिग्विजयसिंह मुख्यमंत्री थे और धार ही नहीं पूरे मालवा के हिंदू समाज ने भोजशाला की मुक्ति का स्वर तेज किया था। लंदन के संग्रहालय में रखी वाग्देवी की प्रतिमा को धार लौटाने की मांग इसमें शामिल थी। अगले ही साल कांग्रेस सत्ता से धराशायी हो गई। मगर उसके बाद क्या हुआ? बीस साल का समय बहुत होता है। सत्ता है तो उसकी धार दिखनी चाहिए किन्तु धार वैसा ही धूल खाता रहा। संस्कृति के नाम पर केवल गाने, बजाने, नाटक और उत्सव पर्याप्त नहीं हैं। अब 2024 में जब इंदौर हाईकोर्ट ने भोजशाला के सर्वे का आदेश दिया है तो मेरे लिए यह बहुत खुशी का विषय बिल्कुल नहीं है क्योंकि हमने दो दशक के लंबे शासन में भोजशाला का विषय पूरी तरह हाशिए पर ठंडे बस्ते में ही रखकर छोड़ा। एक इंच भी आगे नहीं बढ़े। सांस्कृतिक धरोहरों को लेकर हमारी राजनीतिक निष्ठाएं बेहद लचर और कमजोर निकलीं। विचारशून्य और अनिर्णय में झूलने वाला नेतृत्व किसी समाज में कोई मिसाल प्रस्तुत नहीं करता, भले ही वह सत्ता में आजीवन टिका रहे। एक दिन वह अपने पीछे गहरी निराशा ही छोड़कर जाता है। तब मैं अक्सर सोचता हूं कि किसी को भी राजनीति में आना क्यों है और सत्ता में आकर करना क्या है? एक भोजशाला को लेकर हम 2003 से उसी चौराहे पर खड़े हैं। शेष दो का तो कोई नामलेवा भी नहीं है। देशभर में दानिशमंद मुस्लिम आगे आएं अपनी अपढ़ अवाम को सच्चे इतिहास से परिचित कराएं। वे चाहें तो अपने ही आसपास के ऐसे स्मारकों को जाकर देखें जो मंदिरों को मलबा बनाकर खड़े किए गए। इतिहास को बदला नहीं जा सकता लेकिन भूल सुधार की गुंजाइश हमेशा ही है।

मालदीव की राह पर नेपाल, दो कम्युनिस्ट नेताओं के मिलने से बढ़ सकता है चीन का प्रभाव

विलियम शेक्सपियर के नाटक द टेम्पेस्ट में कहा गया है कि विषम परिस्थितियां ऐसे लोगों को भी साथ आने के लिए मजबूर कर देती हैं, जिनका एक-दूसरे से कोई लेना-देना नहीं होता। या यह कहें कि धुर विरोधी भी मिल जाते हैं। राजनीति में विपरीत विचारधारा वाले लोगों के साथ भी ऐसा ही है। नेपाल में पुष्प कमल दहल %प्रचंड% अपने राजनीतिक विरोधी पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के समर्थन से 15 महीने में तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। हिमालयी देश में अप्रत्याशित राजनीतिक घटनाक्रम ने भले ही प्रचंड की कुर्सी बचा ली हो, लेकिन यह भारत के लिए शुभ नहीं है। मालदीव में चीन समर्थक सरकार और पाकिस्तान से दुश्मनी के बीच नेपाल में चीन के प्रति वफादार कम्युनिस्टों के प्रभुत्व वाली नई सरकार का गठन इस क्षेत्र में भारत के प्रभाव को कम करने वाला है। विदेशी राजनीति के जानकारों के अनुसार, प्रचंड सत्ता में बने रहने की कला जानते हैं। नेशनल एसेंबली में नेपाली कांग्रेस के 89 और सीपीएन (यूएमएल) के 77 सांसद हैं, जबकि प्रचंड की पार्टी के सिर्फ 32 सांसद ही हैं। ओली की सीपीएन (यूएमएल) के सहयोग से प्रचंड वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री बने थे। दिसंबर, 2023 में ओली ने अपना समर्थन वापस ले लिया, लेकिन प्रचंड नेपाली कांग्रेस के समर्थन से प्रधानमंत्री बने रहे। दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री ओली ने राष्ट्रपति पद के लिए प्रचंड का समर्थन करने से इन्कार कर दिया, जो उनके गठबंधन टूटने का मुख्य कारण बना था। अब नेपाली कांग्रेस के साथ गहरे मतभदों के चलते प्रचंड फिर से ओली के साथ आ गए हैं। हालांकि नेपाली कांग्रेस के साथ उभरे मतभेदों को सुलझाया जा सकता था। प्रचंड और देउबा ने मिलकर सात राज्यों में सरकारें बनाई थीं, अब उनका भविष्य भी खतरे में है। ओली के साथ आने और उनकी शर्तों की वजह से प्रचंड कमजोर पड़ गए हैं। नेपाली कांग्रेस के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने प्रचंड पर विश्वासघात का आरोप लगाया है। प्रचंड ने भी नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं रखने की अपनी बेबसी जाहिर की है। अब देखना होगा कि कम्युनिस्ट विचारधारा वाले दोनों प्रतिद्वंद्वी (प्रचंड और ओली) नए गठबंधन को कैसे संभालते हैं। जानकारों के अनुसार, प्रचंड और देउबा सरकार की ओर से नागरिकता विधयेक को मंजूरी देना भारत और अमेरिका से निकटता के रूप में देखा गया, जिससे चीन नाराज हो गया। दूसरा, 2022 में सत्ता संभालने के बाद प्रचंड ने चीन के बजाय अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। इस दौरान दोनों देशों के बीच सात समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। यहां तक कि प्रचंड ने सीमा विवाद से भी बचने की कोशिश की। लेकिन अब परिदृश्य बदल गया है। प्रचंड और ओली, दोनों ही घोर कम्युनिस्ट हैं। इससे वहां चीन को वरीयता मिल सकती है। भारत ने 2022 में अग्निवीर योजना शुरू की थी, जिसका विस्तार नेपाल तक होना था, लेकिन कुछ आपत्तियों के चलते यह आगे नहीं बढ़ सकी। जमीनी रिपोर्टों के अनुसार, बेरोजगार नेपाली युवा अग्निवीर के रूप में भारतीय सेना में भर्ती हो सकते हैं, लेकिन पिछली दोनों सरकारों ने इस पर कोई फैसला नहीं किया, तो तीसरी सरकार से भी ज्यादा उम्मीद नहीं है। भारतीय सेना ने 2022 में 40 हजार अग्निवीरों की भर्ती निकाली थी। सेना प्रमुख मनोज पांडे ने स्पष्ट कर दिया था कि नेपाल सरकार द्वारा यदि कोई निर्णय नहीं लिया गया, तो रिक्तियों को समाप्त किया जा सकता है। अब नई सरकार के लिए इसे स्वीकार या अस्वीकार करना बड़ी चुनौती होगा। दरअसल अग्निवीर योजना का काठमांडु में कुछ सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों ने विरोध किया था। यह योजना 1947 में ब्रिटेन, भारत और नेपाल के बीच हुई त्रिपक्षीय संधि से विनियमित है। लेकिन नेपाल का मानना है कि अग्निवीर योजना उस संधि का उल्लंघन है। अब ओली की पार्टी इसमें बाधा बन सकती है, क्योंकि उसका रुख चीन की ओर हो सकता है, जो भारत को मंजूर नहीं होगा। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि नेपाली कांग्रेस का झुकाव भारत की ओर था, लेकिन प्रचंड और ओली के साथ आने से परिस्थितियां बदल गई हैं। अब भारत को नेपाल संबंधी अपनी नीति में बदलाव करना होगा, ताकि नेपाल से रिश्ते सामान्य बने रहें। दूसरा, प्रचंड के नई दिल्ली दौरे के दौरान जो ऊर्जा समझौता हुआ, उसको लेकर भी भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। कई वर्षों के गतिरोध के बाद हुए एक त्रिपक्षीय समझौते के अनुसार, भारत दस वर्षों के लिए नेपाल से 10,000 मेगावाट बिजली आयात करेगा। इससे भारत को हजारों करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा और हमारे देश को अतिरिक्त बिजली भी मिलेगी।

वहीं, नेपाल भारत के जरिये बांग्लादेश को 60 मेगावाट बिजली निर्यात करने में सक्षम होगा। इस समझौते से नेपाल भारत समेत अन्य देशों को बिजली बेचकर अपनी समृद्धि बढ़ा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नई कम्युनिस्ट सरकार इस बिजली समझौते को तोड़ सकती है, जो दोनों ही देशों के लिए लाभकारी है। भारत विरोधी के रूप में कुख्यात ओली नेपाल को चीन के करीब ले जाने का प्रयास करेंगे। केपीएस ओली के प्रधानमंत्री रहते नेपाल और भारत के संबंध काफी खराब हो गए थे। लिपुलेख, कालापानी और लिमपियाधुरा का सीमा विवाद उभरा था, नेपाल ने इन क्षेत्रों को अपने नक्शे में दिखाया था, जिसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था। भारत को इस मुद्दे पर भी नजर रखने की जरूरत है। नेपाल के इस नए घटनाक्रम को देखते हुए भारत को अपनी सुरक्षा को लेकर भी सजग रहने की जरूरत है। एक अन्य गंभीर मुद्दा है चीन की महत्वाकांक्षी योजना बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव। इस मामले में कोई भी प्रगति हमारी सुरक्षा के लिए खतरा है, क्योंकि नेपाल के साथ हमारी 1,770 किलोमीटर सीमा खुली है। चीन ने नेपाल में 1.34 अरब डॉलर का निवेश किया है, वह इस योजना को लागू करने के लिए नई सरकार पर दबाव बनाएगा। नेपाल, मालदीव और पाकिस्तान को भारत से दूर करने के चीनी प्रयासों से भारत को सतर्क रहने की जरूरत तो है ही, इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए अमेरिका से सहयोग की नीति पर फिर से काम करने की जरूरत है, क्योंकि चीन का बढ़ता प्रभाव हमारे हित में नहीं है।

सामाजिक न्याय: व्यवस्थाएं मानवीय सरोकारों का ध्यान रखें, तभी हासिल होगा सतत विकास का लक्ष्य

पृथ्वी पर मनुष्य की सामाजिकी उसे हैरत में डालती है। उसे खुद पर विश्वास नहीं होता कि उसने सभ्यता के कितने आयामों में अपना विकास कर रखा है। मनुष्य की इस सृजन संस्कृति से उसके सुख का आकलन किया जा रहा है। सुख का जब सामाजिकीकरण होता है, तो वह अवस्था समष्टिगत प्रसन्नता का कारण बनती है। लेकिन यह सुख ही अब हमारे लिए भारी पड़ने लगा है। भौतिक सुख के लिए प्राकृतिक संसाधनों को दोहन बढ़ता जा रहा है। नतीजतन विभिन्न तरह के संघर्ष एवं तनाव ने हमारे सामाजिक ताने-बाने को व्यापक हानि पहुंचाई है। पृथ्वी के हर कोने में सामाजिक न्याय की मांग हो रही है। विभिन्न देश इन तनावों को भरपूर झेल रहे हैं, लेकिन उनके पास बहानों की कोई कमी नहीं है। वे अपने अहंकार में इस प्रकार डूबे हुए हैं कि जन से जुड़ने और उनकी सुनने को राजी ही नहीं होते। ऐसे में संघर्ष और तनाव के मुद्दे घटने के बजाय बढ़े ही हैं। उसी का परिणाम है कि आज विश्व की एक बड़ी आबादी युद्ध, संघर्ष, आंदोलन एवं अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है। इसके कारणों को लेकर विश्व के मानवतावादी लोग चिंतित हैं। लग रहा है कि जो निवेश कल्याण के लिए होने थे, वे हथियारों की खरीद के लिए हो रहे हैं। मनुष्य की बुनियादी जरूरतों से ज्यादा हथियार जरूरी हो गए हैं। वस्तुत: हमारे आर्थिक निवेश मानवीय सरोकारों से भटक से गए हैं और इससे सामाजिक न्याय को बहुत धक्का पहुंचा है। सामाजिक न्याय के लिए हो रहे संघर्ष हमारे लिए एक सबक हैं। ये बताते हैं कि हमने अपना निवेश उस दिशा में नहीं किया, जहां किया जाना जरूरी था। यदि सामाजिक न्याय के मुद्दे को सही तरीके से निपटाया गया होता, तो शायद ऐसे दिन न देखने पड़ते। आज विश्व के तमाम राज्य ग्लानिबोध से ग्रसित हैं कि वे अपने नागरिकों की आशाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। जिन देशों में ग्लानिबोध है, उनसे सुधार की आशाएं की जा सकती हैं, लेकिन सामाजिक न्याय के मार्ग से दूर हो चुके देशों का क्या होगा, यह एक बड़ा सवाल है। अफगानिस्तान में स्त्रियों के हालात अच्छे नहीं हैं, जबकि अफगानिस्तान भी खुद को कल्याणकारी मुल्क बताता है। वह कभी नहीं मानता कि उनके यहां स्त्रियों की स्थिति ठीक नहीं है और उन्हें शिक्षा व रोजगार की स्वतंत्रता नहीं है। ईरान में भी कमोबेश ऐसे ही हालात हैं। युद्धरत देश भी कभी यह नहीं स्वीकार करेंगे कि उनके युद्ध लड़ने से आम लोगों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। ये देश सामाजिक न्याय क्या करेंगे? जून 2023 में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक गठबंधन बनाने की बात की थी। उस गठबंधन से यह उम्मीद की थी कि इससे दुनिया के लोग टिकाऊ विकास को आगे बढ़ाएंगे, चुनौतियों से निपटेंगे। उनका यह मानना था कि यह पहल सामाजिक अनुबंध को फिर से तैयार करने पर लक्षित है, जिसे व्यक्ति-आधारित नीतियों से हासिल किया जाएगा और इन प्रयासों में सामाजिक न्याय पर विशेष बल दिया जाएगा। लेकिन उसे कितना अमल में लाया गया? उनके सामाजिक अनुबंध का आधार भी राज्य थे और उनका लक्ष्य महिलाओं एवं युवाओं को लाभान्वित करना था, ताकि सामाजिक स्थितियां बदल जाएं। इसके पीछे उद्देश्य यह था कि सर्वजन के लिए समान अवसर उपलब्ध होगा। अति-आवश्यक सेवाओं की सुलभता होगी। जीवन-पर्यंत शिक्षा व प्रशिक्षण, उपयुक्त व शिष्ट रोजगार और सामाजिक संरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। आज मानवाधिकार कार्यकर्ता भी मानने लगे हैं कि सामाजिक न्याय का राज्यों को सुनिश्चित करना है, लेकिन वे उस दिशा में सक्रिय नहीं हैं। वे आज तक एक ऐसा रोड-मैप नहीं तैयार कर पाए, जिससे हमारी अवसंरचना ही लक्ष्य का निर्धारक बनती। यदि समय रहते दुनिया के सभी देश इसे समझ सकें, तभी तनाव व संघर्ष कम हो सकेंगे। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो हमारे जो सतत विकास लक्ष्य के दावे हैं, वे शायद ही कभी पूरे हो सकेंगे। सभ्यतागत चुनौतियों के साथ जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी हमारे समक्ष खड़ी है। इसलिए सामाजिक न्याय के प्रति योजनाबद्ध प्रतिबद्धता आज की मांग बन गई है। समय रहते यदि वैश्विक सहमति के साथ कोई योजना बनती है, तभी सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र की पहल तो हो रही है। लेकिन विभिन्न देश अपने नागरिकों के हित में पहल कब करते हैं, यह देखने वाली बात है।

प्रभास अपनी जेब से देते हैं बाउंसर-बॉडी डबल को फीस, प्रोड्यूसर्स से नहीं कराते एक्स्ट्रा खर्च

नई दिल्ली। साउथ के साथ-साथ प्रभास बॉलीवुड के भी चहेते स्टार हैं. एक्टर ने अपनी मेहनत से पूरे शोबिज वर्ल्ड में परचम लहराया है. बाहुबली स्टार हर एक फिल्म के लिए मोटी रकम चार्ज करते हैं. उनके स्टारडम से तो हर कोई वाकिफ है, लेकिन उनके बारे में एक बात बड़ी खास है जो शायद किसी को पता हो. वो ये कि एक्टर प्रोड्यूसर्स और फिल्म मेकर्स पर अपने खर्च का एक्स्ट्रा भार नहीं डालते हैं. इसकी पूरी जिम्मेदारी वो खुद लेते हैं.

प्रभास नहीं लेते एक्स्ट्रा पैसा ग्रेट आंध्रा को दिए इंटरव्यू में इंडस्ट्री के इनसाइडर ने इस बात का खुलासा किया. उन्होंने प्रभास के बारे में इस अनसुने किस्से का खुलासा किया. इनसाइडर ने बताया कि कैसे प्रभास फिल्म फ्रेटरनिटी के बाकी सभी स्टार्स से अलग हैं. उन्होंने ये भी रिवील किया कि एक्टर अपने प्रोड्यूसर्स से एक भी एक्स्ट्रा पैसे चार्ज नहीं करते हैं. जहां फीस की बात आती है, उनका तरीका अपने साथी कलाकारों से बेहद अलग है.

सोर्स ने कहा- प्रभास का अपनी फीस और मिलने वाले खर्च की तरफ बहुत अलग ही अप्रोच है, जिससे उन्हें फिल्म मेकर्स के बीच अलग ही लेवल का सम्मान मिलता है. जब प्रभास को किसी फिल्म के लिए मेहनताना या फीस मिलती है तो वो एक भी रुपया एक्स्ट्रा नहीं मांगते हैं. ये बाकी स्टार्स के बिल्कुल उलट है, जो अक्सर मेकअप आर्टिस्ट, मैनेजर और असिस्टेंट्स के लिए अलग से पैसों की डिमांड करते हैं.

अपनी जेब से करते हैं पे सोर्स ने आगे बताया कि प्रभास अपनी गाड़ी से आते हैं. वहीं उनकी टीम अलग से कार में आती है. हालांकि उनको प्रोडक्शन की ओर से कारावान मुहैया करवाई जाती है, लेकिन वो इसके लिए किसी एक्स्ट्रा पेमेंट की डिमांड नहीं करते हैं. इनसाइडर ने बताया कि अक्सर स्टार्स फिल्म करते हुए ड्राइवर तक की सैलरी प्रोड्यूसर से लेते हैं. लेकिन प्रभास ऐसा कुछ नहीं करते हैं. वो ना सिर्फ अपनी टीम के लिए खुद अलग से खाना मंगवाते हैं, बल्कि अपने बॉडी डबल्स और बाउंसर्स को भी बिना प्रोड्यूसर पर कोई भार डाले, खुद की जेब से पैसा देते हैं. ऐसा बिहेवियर बाकी किसी स्टार में देखने को नहीं मिलता, इसलिए मेकर्स का प्रभास के लिए व्यवहार हमेशा अच्छा रहता है. वर्कफ्रंट की बात करें तो, प्रभास की आखिरी रिलीज सालार थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई की थी. वहीं अब वो कल्कि 2898 कर रहे हैं. साथ ही सालार 2 की भी तैयारी कर रहे हैं.

आमिर खान और किरण राव ने रिश्ते को बचाने के लिए ली थी काउंसलिंग की मदद, बोलीं- हर किसी को ये

मुंबई । किरण राव सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल, उनके निर्देशन में बनी फिल्म 'लापता लेडीज' सिनेमाघरों में लोगों का मनोरंजन कर रही है। किरण की इस फिल्म को दर्शकों से ही नहीं बल्कि सेलेब्स से भी खूब प्यार मिल रहा है। 1 मार्च के दिन रिलीज हुई इस फिल्म ने अब तक भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 9.05 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। हाल ही में 'लापता लेडीज' के प्रमोशन के दौरान किरण ने अपने और आमिर खान के रिलेशनशिप पर बात की। बता दें, साल 2005 में आमिर और किरण की शादी हुई थी। वहीं साल 2021 में दोनों अलग हो गए थे।

काउंसलिंग से मिली ये मदद किरण दिए एक इंटरव्यू में अपने और आमिर खान के रिश्ते पर बात करते हुए बताया कि उन्होंने और आमिर ने अपने रिश्ते को बचाने के लिए काउंसलिंग की मदद ली थी। उन्होंने कहा, 'ऐसा व्यक्ति जिसका तलाक हो चुका हो या फिर आपके साथ रिलेशनशिप में आने से पहले किसी और के साथ रिलेशनशिप में रह चुका है, उसके ऊपर एक इमोशनल बैगेज (भावनात्मक बोझ) रहता है। ये इमोशनल बैगेज कहीं न कहीं आपके रिश्ते को प्रभावित कर सकता है इसलिए हमने काउंसलिंग ली। ऐसे में क्या होता है, आपको एक न्यूट्रल ग्राउंड मिल जाता है जहां आप अपनी जरूरतों के बारे में बात करते हैं। काउंसलिंग की वजह से ही मैं और आमिर इस बात पर सहमत हो पाए थे कि हम दोनों को एक-दूसरे के प्रति ईमानदार रहना होगा, चाहे कुछ भी हो जाए।

किरण की वजह से नहीं हुआ था आमिर का तलाक किरण ने इसी इंटरव्यू के दौरान यह स्पष्ट किया कि उनकी वजह से आमिर और उनकी पहली पत्नी का तलाक नहीं हुआ था। किरण ने कहा, साल 2004 में जब मैंने और आमिर ने साथ में बाहर आना-जाना शुरू किया तो हर किसी को ये लगने लगा कि हमारा अफेयर 'लगान' के व्यक्त शुरू हुआ था और इसी कारण से आमिर का तलाक हुआ, लेकिन ये सच नहीं है।

'रामायण' में राम का किरदार निभाएंगे रणबीर कपूर, अरुण गोविल ने दी प्रतिक्रिया

मुंबई । बॉलीवुड में नितेश तिवारी की रामायण का चर्चा जोरों पर है। इस बहुप्रतीक्षित बड़े बजट की फिल्म 'रामायण' में अभिनेता रणबीर कपूर प्रभु श्रीराम की भूमिका निभाएंगे। रामानंद सागर की 'रामायण' में राम की भूमिका निभाकर अरुण गोविल घर-घर में मशहूर हो गए। आज भी उनकी छवि लोगों के मन में बनी हुई है। अब 'रामायण' फिल्म में रणबीर कपूर श्रीराम की भूमिका निभाएंगे। इस पर अरुण गोविल ने प्रतिक्रिया दी है। क्या रणबीर कपूर श्रीराम का किरदार ठीक से निभा पाएंगे? उनसे पूछा गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अरुण गोविल ने कहा, यह तो वक्त बताएगा। मैं इस बारे में पहले से बात नहीं कर सकता। लेकिन, रणबीर एक बेहतरीन एक्टर हैं। जितना मैं उन्हें जानता हूं। मुझे लगता है कि वह एक संस्कारी लड़का है। शिष्टाचार और संस्कृति उनमें ऐसे संस्कार हैं। मैंने उन्हें कई बार देखा है। मुझे विश्वास है कि वह इस भूमिका को अच्छे से निभाने की कोशिश जरूर करेंगे।वहीं, अरुण गोविल इस फिल्म में राजा दशरथ का किरदार निभाएंगे। नितेश तिवारी की 'रामायण' को लेकर फैंस उत्सुक हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर राम की भूमिका में हैं और साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी माता सीता की भूमिका में हैं। सुपरस्टार यश रावण का किरदार निभाते नजर आएंगे। सनी देओल हनुमान की भूमिका निभाएंगे जबकि लारा दत्ता कैकई की भूमिका निभाएंगी। रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा का किरदार निभाएंगी।

ओटीटी पर 14 को रिलीज होगी पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'मैं अटल हूं'

मुंबई बॉलीवुड के बहुमुखी प्रतिभा के धनी अभिनेता पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'मैं अटल हूं' कुछ दिन पहले ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभाया है। अब खबर है कि फिल्म 'मैं अटल हूं' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है।

फिल्म 'मैं अटल हूं' का निर्देशन डायरेक्टर रवि जाधव ने किया है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। इस फिल्म की काफी चर्चा हुई थी। अब जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वे अब इसे घर पर ही देख सकेंगे। अब यह फिल्म 14 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी।

फिल्म 'मैं अटल हूं' में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कहानी दिखाई गई है। इसमें उनके बचपन से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक का सफर दिखाया गया है। साथ ही उनकी निजी जिंदगी की कुछ बातों पर भी प्रकाश डाला गया है। एक इंसान के तौर पर, एक कवि के तौर पर, एक दोस्त के तौर पर अटल बिहारी वाजपेयी के दूसरों के साथ रिश्ते को दिखाया गया है। कुल मिलाकर इस फिल्म के जरिए वाजपेयी की जीवन यात्रा का पता चलता है।

पंकज त्रिपाठी फिल्म की जान हैं। उनकी एक्टिंग शानदार है। हालांकि अटल बिहारी वाजपेई का किरदार निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण है, लेकिन पंकज त्रिपाठी ने यह काम बखूबी किया है। अटल की कविता हो या भाषण, पंकज त्रिपाठी उसमें जान फूंकते नजर आए। साथ ही पीयूष मिश्रा ने अटल बिहारी वाजपेई के पिता का किरदार भी बखूबी निभाया है।

सलमान खान ने किया नई फिल्म का ऐलान, इस डायरेक्टर संग मिलाया हाथ

नई दिल्ली- सुपरस्टार सलमान खान के फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है. फैंस बेसब्री से उनकी अगली फिल्म की अनाउंसमेंट का इंतजार रहे थे. इस बीच सलमान खान ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर फैंस का सरप्राइज दिया है. हालांकि, उन्होंने अभी फिल्म का नाम नहीं बताया है, लेकिन ये जरूर बता दिया है कि मूवी के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर कौन हैं. इसके साथ ही सलमान खान ने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है.

सलमान खान ने इंस्टग्राम हैंडल पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह साउथ सिनेमा के मशहूर डायरेक्टर एआर मुरुगदास और प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला नजर आ रहे हैं. सलमान खान ने अपनी नई फिल्म का ऐलान करते हुए कैप्शन में लिखा, 'एक रोमांचक फिल्म के लिए टेलेंटेड एआर मुरुगादास और मेरे दोस्त साजिद नाडियाडवाला के साथ जुड़कर खुशी हो रही है. यह कोलैबोरेशन बेहद खास है. मैं आपके प्यार और आशीर्वाद के साथ इस जर्नी का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं.'

अगले साल ईद पर रिलीज होगी फिल्म

इसके साथ ही सलमान खान ने बताया कि उनकी ये फिल्म अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी. मालूम हो कि एआर मुरुगदास तमिल इंडस्ट्री के मशहूर डायेरक्टर हैं. उन्होंने साल 2008 में रिलीज हुई आमिर खान की फिल्म 'गजिनी' का निर्देशन किया था, जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. इसके अलावा वह अक्षय कुमार को लेकर सुपरहिट फिल्म 'हॉलिडे' बना चुके हैं.

सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला 'जुड़वा', 'मुझसे शादी करोगी' और 'किक' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं. ये सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित हुई थीं.

'टाइगर 3' में नजर आए थे सलमान खान

वर्क फंर्ट की बात करें तो सलमान खान पिछली बार साल 2023 में रिलीज हुई 'टाइगर 3' में नजर आए थे. इसमें इमरान हाशमी ने खलनायक की भूमिका निभाई थी. मनीष शर्मा के डायरेक्शन में बनी 'टाइगर 3' 12 नवंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. अब ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है.

सलमान खान की अपकमिंग फिल्में

न्यूज एजेंसी एएनआई ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सलमान खान अपकमिंग फिल्म 'द बुल' में नजर आएंगे. इसका निर्देशन विष्णुवर्धन कर रहे हैं. हालांकि, अभी तक मेकर्स ने फिल्म का ऐलान नहीं किया है. इसके अलावा सलमान खान के पास 'टाइगर वर्सेस पठान' भी है, जिसमें शाहरुख खान भी नजर आएंगे.

पत्नी गौरी व बच्चो को शाहरुख खान का खास मैसेज

मुंबई । शाहरुख खान ने 'पठान', 'जवान' और 'डंकी' जैसी लगातार तीन ब्लॉकबस्टर फिल्मों से साल 2023 को यादगार बनाया। किंग खान ने पिछले साल जनवरी में चार साल के ब्रेक के बाद सिल्वर स्क्रीन पर वापसी की थी। जैसा कि पिछले साल उनकी तीनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर जोरदार प्रदर्शन किया था, इस समय शाहरुख खान सभी जगह छाए हुए हैं। प्रतिष्ठित 'दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म अवॉर्ड' पाने के बाद अब शाहरुख खान को 'जी सिने अवॉर्ड्स' में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला है। अवॉर्ड जीतने के बाद शाहरुख ने मंच से अपने परिवार को खास संदेश दिया। किंग खान का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।शाहरुख खान ने अपने संदेश में कहा, 'मैं यह पुरस्कार अपने बेटे आर्यन, सुहाना, अबराम और पत्नी गौरी को समर्पित करता हूं। याद रखना जब तक तुम्हारा बाप जिंदा है तब तक एंटरटेनमेंट जिंदा है।' शाहरुख खान का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उनके फैंस इस पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक्टर के काम की बात करें तो एक्टर जल्द ही 'पठान 2' की शूटिंग शुरू करेंगे। इसके अलावा सुहाना की फिल्म में किंग खान गेस्ट स्टार के तौर पर नजर आएंगे।

अभिनेता विजय ने सरकार से सीएए लागू न करने का किया आग्रह, कानून को बताया 'अस्वीकार्य'

डेस्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सोमवार को नागरिकता संशोधन कानून लागू करने की घोषणा की। सीएए 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के घोषणापत्र का एक अभिन्न अंग था। भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद संसद ने 11 दिसंबर, 2019 को इसे अधिनियमित किया। अब इस पर साउथ अभिनेता विजय ने अपनी नाराजगी जाहिर की और इसे अस्वीकार्य बताया है। तमिल अभिनेता और तमिलागा वेट्री कड़गम प्रमुख थलपति विजय ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 लागू करने के बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोला। अभिनेता ने नागरिकता अधिनियम को अस्वीकार्य बताया और तमिलनाडु सरकार से इसे राज्य में लागू नहीं करने का अनुरोध किया है। विजय ने अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक आधिकारिक बयान साझा किया है। उन्होंने तमिल में लिखा, भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 जैसे किसी भी कानून को ऐसे माहौल में लागू करना स्वीकार्य नहीं है, जहां देश के सभी नागरिक सामाजिक सद्भाव के साथ रहते हैं। नेताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह कानून देश में लागू न हो।अभिनेता ने तमिलनाडु सरकार से यह सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया कि कानून तमिलनाडु में लागू न हो। बयान में कहा गया, नेताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह कानून तमिलनाडु में लागू न हो। बता दें कि 2 फरवरी को, थलपति विजय ने आधिकारिक तौर पर अपनी राजनीतिक पार्टी का नाम तमिलागा वेट्री कजम की घोषणा की। उन्होंने एक बयान में कहा, हम 2024 का चुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं और हम किसी पार्टी में नहीं जा रहे हैं। हमने सामान्य और कार्यकारी परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया है।विजय ने यह भी कहा कि तमिल लोग ही हैं ,जिन्होंने उन्हें सब कुछ दिया और वह उन्हें वापस देना चाहते हैं।

जी सिने अवॉर्ड्स में शाहरुख को मिला सर्वश्रेष्ठ अवार्ड

मुंबई हॉलीवुड में इस वक्त 96वें एकेडमी अवॉर्ड्स यानी 'ऑस्कर' की चर्चा हो रही है। वहीं भारत में 'जी सिने अवॉर्ड्स' के रेड कार्पेट पर पूरा बॉलीवुड कला जगत एक साथ नजर आ रहा है। समारोह रविवार को आयोजित किया गया था। इस मौके पर मनोरंजन जगत में अच्छा प्रदर्शन करने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। 'जी सिने अवॉर्ड्स' में शाहरुख खान को इस साल का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और उनकी फिल्म 'जवान' को बेस्ट फिल्म के अलावा वीएफएक्स, बेस्ट एक्शन का भी अवॉर्ड मिला है।

'जी सिने अवॉर्ड्स' में शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, अनन्या पांडे, आलिया भट्ट, बॉबी देओल जैसे दिग्गज कलाकारों ने शिरकत की। वर्ष 2023 में, शाहरुख ने चार साल के अंतराल के बाद बॉक्स ऑफिस पर वापसी की। इस समारोह में पुरस्कार के लिए अभिनेता की तीन फिल्में 'पठान', 'जवान', 'डंकी' दौड़ में थीं। 'जी सिने अवॉर्ड्स' में किंग खान को सबसे ज्यादा सफलता 'जवान' के लिए मिली।शाहरुख के साथ-साथ रानी मुखर्जी, कार्तिक आर्यन, बॉबी देओल, आलिया भट्ट, कियारा आडवाणी को भी अवॉर्ड मिले। 'जी सिने अवॉर्ड्स' में शाहरुख खान को इस साल का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया है तो जवान को बेस्ट फिल्म, वीएफएक्स, बेस्ट एक्शन का अवॉर्ड मिला है।

लोकप्रिय साउथ संगीत निर्देशक अनिरुद्ध ने 'जवान' के लिए 'सर्वश्रेष्ठ बीजीएम' पुरस्कार जीता। इसके अलावा शिल्पा राव को फिल्म 'पठान' के गाने 'बेशरम रंग' के लिए बेस्ट फीमेल सिंगर का अवॉर्ड दिया गया।

कामेक्स पर सोना वायदा टूटा, लेकिन इंदौर में 250 रुपये बढ़कर 65350 रुपये बिका

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में निवेशकों की लेवाली कुछ कमजोर होने के कारण कामेक्स पर सोना वायदा रिकार्ड ऊंचाई से पीछे हट गया, क्योंकि व्यापारियों ने प्रमुख अमेरिकी मुद्रास्फीति डेटा से पहले कुछ मुनाफे को लॉक कर दिया है, जो व्यापक रूप से ब्याज दरों के मार्ग में कारक होने की उम्मीद है। मंगलवार को कामेक्स पर सोना चार डालर घटकर 2184 डालर प्रति औंस रह गया, लेकिन इसका भारतीय बाजारों पर कोई असर नहीं देखा गया। इंदौर में सोने की कीमतों में बढ़त का सिलसिला जारी रहा.इंदौर में सोना 250 रुपये उछलकर नई ऊंचाई 65350 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। वहीं कामेक्स पर चांदी वायदा 24.45 डालर प्रति औंस पर स्थिर रहा, लेकिन इंदौर मार्केट में चांदी आंशिक सुधरकर 73250 रुपये किलो पर पहुंच गई। ज्वेलर्स का मानना है कि जून तक ब्याज दरों में कटौती पर बढ़ते दांव, सुरक्षित निवेश मांग में वृद्धि के साथ, मार्च में सराफा की कीमतें नई रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचेगी। हाजिर कीमतें 2,200 डालर प्रति औंस को पार करने के करीब आ गईं, लेकिन हाल के सत्रों में यह तेजी ठंडी पड़ गई, खासकर फेडरल रिजर्व के कुछ सख्त संकेतों और मिश्रित श्रम बाजार आंकड़ों के बाद डालर हाल के घाटे से स्थिर हुआ, जिससे धातु बाजारों पर भी दबाव पड़ा है। भारतीय बाजारों में भी पुन: मंदी के संकेत है। कामेक्स सोना ऊपर में 2184 तथा नीचे में 2173 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 24.45 व नीचे में 24.23 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इंदौर में सोना केडबरी रवा नकद में 65350 सोना (आरटीजीएस) 67330 सोना (91.60 कैरेट) 61670 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। सोमवार को सोना 65100 रुपये पर बंद हुआ था। चांदी चौरसा 73250 चांदी टंच 73400 चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 74350 रुपये प्रति किलो बोली गई। शनिवार को चांदी 73200 रुपये पर बंद हुई थी।

मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा मंडी टैक्स, किसान-व्यापारी परेशान, ध्यान नहीं दे रहे माननीय

चुनावी मौसम आते ही जनप्रतिनिधियों और राजनेताओं को व्यापारियों-किसानों का हित याद आने लगता है। इन दोनों वर्गों का बड़ा मुद्दा मंडी टैक्स में कमी करना है। हर चुनाव में चर्चा में रहने वाला ये मुद्दा अब तक हल नहीं हो सका है। मंडियों में शासन द्वारा सभी प्रकार के अनाज व दलहन जिंसों पर एक प्रतिशत मंडी टैक्स व 20 पैसे निराश्रित शुल्क लिया जा रहा है। ऐसे में व्यापारियों को सौ रुपये की खरीदी पर 1.20 रुपये टैक्स देना पड़ा रहा है। व्यापारियों का कहना कि गुजरात व अन्य राज्यों में आधा प्रतिशत ही टैक्स लिया जा रहा है। प्रदेश में टैक्स घटाकर आधा प्रतिशत करना चाहिए। पहले डेढ़ प्रतिशत टैक्स व 20 पैसे निराश्रित शुल्क लिया जाता था। बड़े वर्ग की इस समस्या को लेकर जनप्रतिनिधियों से व्यापारी-किसान कई बार गुहार लगा चुके हैं लेकिन कहीं से राहत नहीं मिली। विधानसभा चुनाव से पूर्व मंडी टैक्स घटाने सहित 11 सूत्री मांगों को लेकर अनाज दलहन तिलहन व्यापारी महासंघ के आव्हान पर चार सितंबर 2023 से अनिश्चितकालीन हडताल की गई थी। 18 दिन बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा मंडी टैक्स घटाकर एक प्रतिशत करने पर हड़ताल खत्म की गई थी। दी ग्रेन सीड्स एंड मर्चेंट एसोसिएशन अध्यक्ष सुरेंद्र चत्तर ने बताया कि मंडी टैक्स कम करने से सभी को फायदा हुआ है। इसे आधा प्रतिशत करने से किसानों व उपभोक्ताओं को और फायदा होगा। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी को लेकर भी विशेष रूप से नोटिस दिए जाते हैं। फरवरी में केंद्र सरकार के जीएसटी विभाग द्वारा सभी व्यापारियों को नोटिस दिया गया है कि वर्ष 2017 से लेकर आज तक का मंडी टैक्स और जीएसटी का विवरण प्रस्तुत करें। व्यापारियों में इसे लेकर हड़कंप मचा हुआ है। इसकी वजह यह है कि पांच साल का रिकार्ड केवल तीन दिन में दे पाना संभव नहीं है। वहीं मंडी व्यापारियों का कहना है कि मंडी टैक्स में कमी नहीं की गई है। उल्लेखनीय है कि मंडी टैक्स के साथ सोयाबीन तिलहन वाली फसल होने के कारण इस पर जीएसटी भी लगाया जाता है। मंडी व्यापारियों को परेशानी हो रही है। मामले में सांसद छतर सिंह दरबार ने कहा कि हाल ही में जीएसटी को लेकर जो नोटिस दिया गया है, उसे लेकर मुझे विशेष रूप से कोई जानकारी नहीं है। मंडी से जुड़े किसान और व्यापारियों के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। उनकी व्यवहारी कठिनाइयों को दूर करने के लिए निश्चित रूप से प्रयास किए जाएंगे।

गुजरात से ज्यादा, अन्य से कम मंदसौर जिले में कुल नौ मंडियों में लगभग 800 व्यापारी किसानों से उपज खरीदी करते हैं। यहां व्यापारियों से एक प्रश मंडी शुल्क वसूला जा रहा है, जो केवल गुजरात से ज्यादा है। इसके अलावा राजस्थान और अन्य राज्यों में यहां से दुगना मंडी टैक्स वसूला जा रहा है। व्यापारियों का कहना है दूसरे राज्यों से जो उपज खरीद कर लाते हैं, उस पर मंदसौर में भी मंडी टैक्स वसूला जाता है। जबकि मंडी में भी नहीं ले जाते हैं। इस पर रोक लगनी चाहिए। सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि मंदसौर संसदीय क्षेत्र में मंडी व्यापारियों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। समय समय पर सरकार तक उनकी बात पहुंचाते रहते हैं।

टैक्स में 31 मार्च तक ही छूट मिलेगी वर्तमान में कपास खरीदी में व्यापारियों से 70 पैसे प्रति सैकड़ा टैक्स लिया जा रहा है। इसमें 50 पैसे मंडी व 20 प्रतिशत निराश्रित शुल्क लिया जा रहा है। अनाज, दलहन, तिलहन में व्यापारियों से 1.20 पैसे टैक्स लिया जा रहा है। इसमें एक रुपया मंडी व 20 पैसे निराश्रित टैक्स है। व्यापारी संघ का कहना है कि सभी तरह की खरीदी पर 1 रुपये 70 पैसे लिए जा रहे थे। विधानसभा चुनाव से पूर्व सरकार ने कपास में 1 रुपया कम किया है तो अनाज में 50 पैसे। यह भी 31 मार्च तक के लिए है। विभिन्न समस्याओं के चलते ही खरगोन जिले में संचालित 100 से ज्यादा जीनिंग महाराष्ट्र में चली गई हैं। बड़वानी में भी यही स्थिति है। टैक्स की मार के चलते सेंधवा व खेतिया के कुछ कपास व्यापारियों ने यहां के बजाय महाराष्ट्र में फैक्ट्री स्थापित कर ली है। उज्जैन जिले के व्यापारियों को मंडी टैक्स को लेकर परेशानी है। व्यापारियों का कहना है कि तीन महीने पहले मंडी शुल्क 0.50 फीसद कम कर 1 फीसद कर दिया, किंतु 0.20 फीसद लगने वाले निराश्रित शुल्क को यथावत रख दिया। इसका कोई औचित्य नहीं है। यह शुल्क बरसों पहले बांग्लादेश से आए शरणार्थियों के लिए लगाया गया था। वर्तमान स्थिति में इस शुल्क का उपयोग नहीं हो रहा है। बता दें देश की किसी भी मंडी में निराश्रित शुल्क लागू नहीं है। प्रदेश के व्यापारी, किसान इस शुल्क से मुक्ति चाहते हैं। ताकि व्यापार में अन्य प्रदेशों से प्रतिस्पर्धा कर सके। सांसद इसे लेकर प्रयास करते रहे हैं, मगर सफलता नहीं मिली।

काबुली चने में घरेलू और निर्यातकों की पूछताछ से कीमतें पुनः उछली

इंदौर। रमजान शुरू होने के साथ ही अच्छी क्वालिटी के काबुली चने में डिमांड जोरदार देखने को मिली है, जबकि नीचे दामों पर बिकवाल कुछ कमजोर होने के कारण आवक बेहद कम रही। इससे काबुली चने की कीमतों में पुन: 400 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गई।व्यापारियों का कहना है कि काबुली चने में घरेलू के साथ ही निर्यातकों की भी पूछताछ बाजार में देखने को मिली है। इससे इन दामों पर ज्यादा मंदी की गुंजाइश अब कम नजर आ रही है। हालांकि इस साल उत्पादन बंपर होने से भविष्य लंबी तेजी का भी नजर नहीं आ रही है। इंदौर छावनी मंडी में काबुली चने की आवक 5000 बोरी की दर्ज की गई। मंडी में चना मीडियम 9800-1005, बेस्ट 10500-10600 रुपये प्रति क्विंटल तक बिका। वहीं कंटेनर में डालर चना बढ़कर 40/42 11500, 42/44 11300, 44/46 11100, 58/60 9700, 60/62 9600, 62/64 9500 रुपये क्विंटल पर पहुंच गया। दूसरी ओर नई आवक बढ़ने से पिछले कुछ दिनों में देसी चने के दाम काफी टूट गए थे, लेकिन मंगलवार को आवक कुछ कम होने और बेसन-दाल निर्माताओं की लेवाली आने से चने के भाव मजबूत बोले गए। चना कांटा पुन: सुधरकर 5900-5950 रुपये प्रति क्विंटल तक बोला गया। कारोबारियों के मुताबिक, देसी चने का उत्पादन घटने और पिछला स्टाक कम होने से लंबी मंदी के आसार कम नजर आ रहे हैं। इधर, राजस्थान में गेहूं की सरकारी खरीद 10 मार्च से शुरू हो चुकी है। सरसों और चना की खरीद 1 अप्रैल से शुरू होगी। इस साल समर्थन मूल्य सरसों का 5450 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 5650 और चना का 5335 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 5440 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया। चना और सरसों के लिए किसान पंजीकरण करवा सकते हैं। दूसरी ओर मध्य प्रदेश में गेहूं खरीद पर एमएसपी के ऊपर 125 रुपये प्रति क्विंटल के बोनस की घोषणा की गई। मध्य प्रदेश कैबिनेट बैठक में कहा गया कि राज्य में गेहूं की खरीद पर 125 रुपये क्विंटल का बोनस दिया जाएगा। अब मध्य प्रदेश में गेहूं की खरीद एमएसपी 2275 प्लस बोनस 125 मिलाकर 2400 रुपये प्रति क्विंटल पर की जाएगी। अन्य दाल-दलहन में कारोबार सामान्य रहा। भाव में स्थिरता रही। दलहन के दाम - चना कांटा 5900-5950, विशाल 5350-5650, डंकी 5300-5400, मसूर 5850-5875, तुवर महाराष्ट्र सफेद 10100-10200, कर्नाटक 10300-10400, निमाड़ी तुवर 8700-9600, मूंग 8800-9000, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9200, मीडियम 7000-8000, हल्की उड़द 3000-5000 रुपये क्विंटल के भाव रहे।

दालों के दाम - चना दाल 7600-7700, मीडियम 7800-7900, बेस्ट 8000-8100, मसूर दाल 7150-7250, बेस्ट 7350-7450, मूंग दाल 10400-10500, बेस्ट 10600-10700, मूंग मोगर 11100-11200, बेस्ट 11300-11400, तुवर दाल 11900-12000, मीडियम 12900-13000, बेस्ट 13700-13800, ए. बेस्ट 14700-14800, व्हाइटरोज तुवर दाल नई 14800, उड़द दाल 10800-10900, बेस्ट 11000-11100, उड़द मोगर 11000-11200, बेस्ट 11300-11400 रुपये प्रति क्विंटल के भाव रहे।

चावल के दाम - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-12500, तिबार 10000-11000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9500, मिनी दुबार 7500-8500, मोगरा 4500-7000, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल के भाव बताए गए।

खेल

रोहित शर्मा के कायल हुए आर अश्विन, कप्तान की तारीफ करते नहीं थक रहे, बोले- धोनी भी ऐसा करते, लेकिन

नई दिल्ली। इंडिया और इंग्लैंड के बीच खेली गई टेस्ट सीरीज को रविचंद्रन इसलिए याद नहीं रखेंगे कि उन्होंने इस सीरीज के दौरान 500 टेस्ट विकेट पूरे किए और आखिरी मैच के दौरान अपना 100वां टेस्ट खेला, बल्कि वे इस सीरीज को रोहित शर्मा के नेक दिल के लिए याद रखना चाहेंगे। अश्विन ने सीरीज के बाद बताया है कि राजकोट टेस्ट उनको क्यों छोड़ना पड़ा और किस तरह कप्तान रोहित शर्मा और बाकी सपोर्ट स्टाफ से उनको मदद मिली। चैनल पर बात करते हुए भारतीय ऑफ स्पिनर अश्विन ने बताया कि उनके परिवार पर एक संकट आ गया था। इस दौरान कप्तान रोहित ने उनकी मदद की, जिसकी सराहना वे करते हैं। दरअसल, भारत के स्टार खिलाड़ी ने अपनी मां की देखभाल के लिए राजकोट टेस्ट के बीच में ही टीम छोड़ दी थी। अश्विन की मां गृह नगर चेन्नई में सिरदर्द की वजह से बेहोश हो गई थीं और जमीन पर गिर पड़ी थीं। इसके बारे में उनकी पत्नी ने भी बताया था। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड सीरीज महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी थी। सीरीज 1-1 की बराबरी पर थी। राजकोट टेस्ट की पहली पारी में इंग्लैंड की टीम मजबूत स्थिति में नजर आ रही थी। ऐसे में अश्विन के दिमाग में भी द्वंद चल रहा था कि वे इस स्थिति में अपनी टीम को छोड़ें या नहीं? इस दुविधा का सामना करते हुए अश्विन ने ये बात भारतीय कप्तान से साझा की तो रोहित ने उनको टीम छोड़ने के लिए निर्णय लेने में मदद की। अश्विन ने बताया, मैंने (पत्नी से) पूछा कि वह (मां) कैसी है? क्या वह होश में नहीं थीं। डॉक्टर ने

स्पष्ट रूप से मुझे बताया कि वह देखने की स्थिति में नहीं थीं। मैं रोने लगा। मैं एक फ्लाइट खोज रहा था, लेकिन मुझे कोई फ्लाट नहीं मिली। राजकोट एयरपोर्ट 6 बजे बंद हो जाता है, क्योंकि 6 बजे के बाद वहां से कोई फ्लाइट नहीं होती। मुझे नहीं पता था मुझे क्या करना चाहिए। रोहित (शर्मा) और राहुल (द्रविड़) भाई मेरे कमरे में आए और रोहित ने सचमुच मुझे सोचना बंद करने और चेन्नई चले जाने के लिए कहा। और वह मेरे लिए चार्टर फ्लाइट की व्यवस्था करने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन यह रोहित का जेस्चर था जिसके बाद अश्विन 'स्तब्ध' हो गए। उन्होंने बताया, टीम के फिजियो कमलेश मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। रोहित ने उससे कहा कि वह मेरे साथ चेन्नई जाएं और मेरे साथ रहें, लेकिन मैंने उसे वहीं रुकने के लिए कहा। जब मैं नीचे गया तो सिक्योरिटी और कमलेश पहले से ही वहां इंतजार कर रहे थे। एयरपोर्ट की ओर हमारी यात्रा के दौरान कमलेश को रोहित का फोन आया, उसने मेरा हालचाल लिया और सचमुच इस कठिन समय में मेरे साथ रहने के लिए कहा। रात के साढ़े नौ बजे थे। मैं तो बस स्तब्ध हो गया था। मैं इसके बारे में सोच भी नहीं सकता। वहां केवल दो ही लोग थे, जिनसे मैं बात कर सकता था। अगर वहां कोई नहीं होता तो क्या होता? मैंने बस सोचा, भले ही मैं कप्तान होता, मैं अपने खिलाड़ियों को घर वापस जाने के लिए कहता। इसके बारे में कोई दूसरा विचार नहीं, लेकिन क्या मैं उसकी देखभाल के लिए लोगों को बुलाऊंगा? मुझे नहीं पता। अविश्वसनीय। मैंने उस दिन रोहित शर्मा में एक उत्कृष्ट नेतृत्वकर्ता देखा।

एक कप्तान के रूप में उनकी सफलता में योगदान दिया अश्विन का मानना है कि रोहित का अपने खिलाड़ियों के प्रति इस स्तर का व्यक्तिगत ध्यान और सहानुभूति है, जिसने एक कप्तान के रूप में उनकी सफलता में योगदान दिया है। उन्होंने बताया, मैंने कई कप्तानों की कप्तानी में खेला है, लेकिन यह उनका (रोहित का) अच्छा दिल है, जिसने उन्हें वह बनाया है जो वह आज हैं धोनी के बराबर पांच आईपीएल खिताब वाले व्यक्ति। भगवान इसे आसानी से नहीं देते। उसे उन सब से बड़ा कुछ मिलना चाहिए, जो भगवान उसे देगा। ऐसे स्वार्थी समाज में दूसरे के हित के बारे में सोचने वाला व्यक्ति दुर्लभ है। उसके बाद मेरे मन में उनके प्रति सम्मान बहुत बढ़ गया। एक लीडर के रूप में उनके प्रति मेरे मन में पहले से ही सम्मान था, वह अंतिम क्षण तक बिना किसी सवाल के खिलाड़ी का समर्थन करते हैं। यह कोई आसान बात नहीं है। धोनी भी ऐसा करते हैं, लेकिन वह 10 कदम और आगे चलते हैं।

हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप आज से, 27 टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली। 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 13 मार्च से पुणे के पिंपरी में मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुरू होगी, जिसका फाइनल 23 मार्च को खेला जाएगा। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली कुल 27 टीमों को आठ पूलों में विभाजित किया गया है मौजूदा चैंपियन हॉकी मध्य प्रदेश को हॉकी बिहार और छत्तीसगढ़ हॉकी के साथ पूल ए में रखा गया है, पिछले साल के उपविजेता और इस साल के संस्करण का मेजबान हॉकी महाराष्ट्र, दिल्ली हॉकी और केरल हॉकी के साथ पूल बी में है। पूल सी में हॉकी झारखंड, उत्तर प्रदेश हॉकी और हॉकी आंध्र प्रदेश शामिल हैं जबकि पूल डी में हॉकी हरियाणा, पुडुचेरी हॉकी और असम हॉकी शामिल हैं। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, हॉकी चंडीगढ़ और गोवा हॉकी पूल ई का हिस्सा हैं। पूल एफ में हॉकी पंजाब, हॉकी हिमाचल, हॉकी राजस्थान और हॉकी मिजोरम शामिल हैं। हॉकी कर्नाटक खुद को पूल जी में मणिपुर हॉकी, हॉकी उत्तराखंड और दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी के साथ पाता है जबकि हॉकी बंगाल, तमिलनाडु की हॉकी यूनिट, हॉकी गुजरात और तेलंगाना हॉकी पूल एच में हैं। आगामी टूर्नामेंट महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अगली मुख्य संभावित खिलाड़ियों को चुनने के लिए मंच के रूप में काम करेगा। सीनियर महिला टीम के अधिकांश सदस्य, जिनमें भारतीय कप्तान सविता, सर्वाधिक कैप्ड खिलाड़ी वंदना कटारिया, मोनिका, नवनीत कौर, सलीमा टेटे जैसी अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही दीपिका और संगीता कुमारी जैसी उभरती प्रतिभाएँ इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही हैं। सभी अपने-अपने राज्यों से प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए तैयार हैं। प्रत्येक पूल से शीर्ष टीम 20 मार्च को होने वाले क्वार्टर-फाइनल में पहुंचेगी, जबकि सेमी-फ़ाइनल 22 मार्च को होगा। तीसरे/चौथे स्थान का प्ले-ऑफ़ 23 मार्च को निर्धारित है, जिसके बाद उसी शाम को फ़ाइनल होगा। विशेष रूप से, 29 भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट का हिस्सा होंगे, जो हॉकी के स्तर को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। हॉकी महाराष्ट्र की टीम में वैष्णवी विट्ठल फाल्के, अक्षता अबासो ढेकाले और रजनी एतिमारपु होंगी, जबकि मारियाना कुजूर, अजमीना कुजूर और ज्योति छत्री हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के लिए आएंगी। निक्की प्रधान, ब्यूटी डुंगडुंग, सलीमा टेटे और संगीता कुमारी हॉकी झारखंड के लिए एक्शन में नजर आएंगी और बलजीत कौर और गुरजीत कौर हॉकी पंजाब का प्रतिनिधित्व करेंगी। हॉकी उत्तर प्रदेश में मुमताज खान, वंदना कटारिया और बंसारी सोलंकी अपना जलवा बिखेरेंगी, जबकि बिचू देवी खारीबाम, इशिका चौधरी और लालरेम्सियामी क्रमश: मणिपुर हॉकी, हॉकी मध्य प्रदेश और हॉकी मिजोरम का प्रतिनिधित्व करेंगी। हॉकी हरियाणा 11 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से सुसज्जित एक स्टार-स्टडेड लाइन-अप उतारेगा, जिसमें मोनिका, नवनीत कौर, नेहा, निशा, दीपिका, महिमा चौधरी, ज्योति, सविता, शर्मिला देवी, सोनिका और उदिता शामिल हैं।

कटनी में एसडीएम प्रदीप मिश्रा की अगुवाई में हुई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी- अवैध कब्जा धारियों पर होनी चाहिए नियमानुसार कार्रवाई

सुनील यादव। सिटी चीफ कटनी, माधव नगर में एसडीएम प्रदीप मिश्रा की अगुवाई में आज मंगलवार सुबह की गई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जानकारी स्थानीय लोगों के द्वारा दिए जाने के बाद महापौर प्रीति संजीव सूरी भी कार्रवाई स्थल पर पहुंची थीं। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने कार्यवाही कर रहे अधिकारियों को नियम विरुद्ध तरीके से कब्जा कर रहे लोगों के खिलाफ नियम अनुसार कार्यवाही करने के लिए कहा। इस दौरान महापौर श्रीमती सूरी ने अधिकारियों से बात करते हुए कहा कि जिन लोगों के पास पट्टे है और उन्होंने निर्माण के लिए नगर निगम में आवेदन दे रखे हैं उनके निर्माण कैसे बन गए तब अधिकारी

कहा थे जब निर्माण हो रहा था बल्कि जिनके पास कोई दस्तावेज नहीं और वे लोग अवैध रूप से कब्जा कर रहे हैं, उनके निर्माण को तत्काल ही हटाने की कार्यवाही होनी चाहिए। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि गंगाराम कटारिया एवं एक अन्य निर्माणकर्ता के पास पट्टा है और उनके द्वारा नक्शे के लिए नगर निगम में आवेदन भी किया है, ऐसे में उनके पक्के बनाए निर्माण को तोड़ा जाना बिना सूचना के सुबह सात बजे पहुंच कर तोड़ने की कार्यवाही करना न्याय संगत नहीं है ।जिन्होंने अवैध रूप से शासकीय भूमि पर कब्जा किया गया है उसे तत्काल ही हटाया जाना चाहिए। यदि कोई शासकीय जमीन पर बिना पट्टे के कब्जा कर निर्माण कर रहा है उसके विरुद्ध न सिर्फ कार्रवाई होनी चाहिए बल्कि स्नद्धक्रभी दर्ज होनी चाहिए प्रशासन द्वारा सरकारी जमीन के कब्जे को हटाने के लिए अतिक्रमण दस्ते की मांग की गई थी लेकिन दस्ता पट्टे वाली भूमि पर कार्यवाही करने पहुंच गए

जबकि इस निर्माण के खिलाफ कल सोमवार को निगम द्वारा कार्यवाही करते हुए काम बंद करवा दिया गया था।

मैहर के वरिष्ठ समाजसेवी रामकृष्ण पाण्डेय पप्पू कवाड़ी नहीं रहे

कालीन हृदय गति रुकने से हुआ निधन

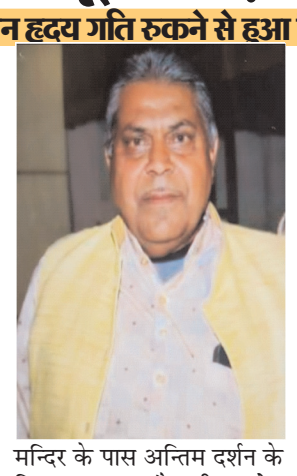

श्रीनिवास मिश्रा। सिटी चीफ मैहर, नगर के वरिष्ठ समाजसेवी वार्ड क्रमांक 14 सराय स्थित रामकृष्ण पाण्डेय पप्पू कवाड़ी जो पाण्डेय कवाडी के नाम से विख्यात थे उम्र लगभग 58 वर्ष का 12 मार्च 2024 को प्रात: कालीन हृदय गति रुकने से उन्हें मैहर सिविल अस्पताल में दाखिल कराया गया जहां से उन्हें रीवा के लिए रेफर किया गया रीवा ले जाते वक्त उनका आकस्मिक निधन हो गया। श्री पाण्डेय का पार्थिव शरीर गरवधा तालाब हनुमान जी

मन्दिर के पास अन्तिम दर्शन के लिए रखा गया है। श्री पाण्डेय के निधन पर नगर के समाजसेवी राजनीतिकों पत्रकार बंधुओ ने भी गहरा दुख व्यक्त किया है श्री पांडे के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार मुक्तिधाम मैहर में किया जावेगा श्री पांडे के बारे में कहा जाना वह एक युवा हस्ताक्षर भी थे और समाज सेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किया ईमानदार व्यक्तित्व के धनी अपने पीछे अपनी पत्नी एवं बच्चों को रोता भी विलक्ता छोड़कर हमेशा के लिए दुनिया से विदा हो गए।

भीकनगांव साईखेडी ओर सुरवा के बीच में रुई से भरे हुए ट्रक में आग लगी

महाराष्ट्र से भीलवाड़ा राजस्थान जा रही थी ट्रक

पियूष अगरवाल । सिटी चीफ खरगोन, भीकनगांव नगर से लगभग से 7 किलोमीटर दूर खंडवा - बड़ोदरा राजमार्ग पर साईखेड़ी गांव के पास मंगलवार की शाम करीब 6 बजे खंडवा की ओर से रुई की गठान भर कर जा रहे ट्रक क्रमांक आर जे 09 जीबी 8831 चलती गाड़ी में अचानक आग लग गई । सड़क किनारे ट्रक में आग लगने से राहगीरों सहित ग्रामीणों में अफरातफरी मच गयी क्योंकि सड़क किनारे के खेतों में गेहूं, चने की फसल पककर तैयार है। बताया जा रहा है कि ट्रक में करीब 144 रुई की गठान भरी हुई थी। ट्रक ड्राइवर प्रभुलाल पिता मांगू बलेचार निवासी टोंकडा तहसील बड़ोद जिला आगर मालवा ने बताया की ट्रक में रुई की गठान येवतमॉल महाराष्ट्र से भरी थी जो भीलवाड़ा राजस्थान जा रही थी। साईखेडी गांव के पास साथ चल रहे क्लीनर ने चलते ट्रक से धुआं निकलते देखा। ड्राइवर ने

सूझबूझ के साथ तत्काल चलते ट्रक पर नियंत्रण करतें हुए ट्रक को सड़क किनारे पलटी खिला दिया ओर स्वयं तथा उसके क्लीनर ने कूदकर अपनी बचाई। देखते देखते आग की लपटे पुरे ट्रक से निकलने लगी। ट्रक में करीब 144 रुई की गठाने भरी थी जिसकी अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रूपए के आस पास बताई जा रही है। रास्ते से गुजर रहे राहगीर द्वारा पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा आग पर काबू पाने के लिए भीकनगांव तथा खरगोन से फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया करीब 30 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना के थोड़ी देर बाद ही भीकनगांव एसडीओपी राकेश आर्य मौके पर पहुंचे तथा घटना के कारण का जायजा लिया । इस दौरान राकेश पाटिल, धर्मेंद्र यादव, आशीष सावले पुलिसकर्मी मौजूद थे।

पन्ना के पत्रकार जिला प्रशासन से अपनी मूलभूत मांगों पर करेगे भूख हड़ताल

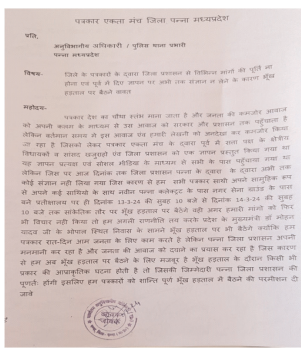

13 मार्च की सुबह 10 बजे से 14 मार्च की सुबह 10 बजे से सांकेतिक तौर पर चलेगी भूख हड़ताल

राम नरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना, पन्ना जिले के पत्रकारों द्वारा उनकी विभिन्न मांगों की पूर्ति ना होने को लेकर अब बिगुल फूंक दिया है उन्होंने पूर्व में दिए ज्ञापन पर अभी तक संज्ञान न लेने अब गांधी वादी विचार धारा के तहत भूख हड़ताल पर बैठने का मन बना लिया है और इस बात को लेकर लगभग एक दर्जन से अधिक पत्रकार साथी प्रिंट एवम इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार एक जुट होकर विभिन्न मांगों को अनुशंसा करने को लेकर और उन्हें पूरा करने के उद्देश्य से 13 मार्च दिन बुधवार सुबह 10:00 बजे भूख हड़ताल में बैठने जिला प्रशासन को ज्ञापन पत्र सोपा है। अगर आज की इस दौर की बात करें तो आप पत्रकारों को अपने हक के लिए

पत्रकार एकता मंच जिला पन्ना मध्यप्रदेश

प्रति,
अनुविभागीय अधिकारी / पुलिस थाना प्रभारी
पन्ना मध्यप्रदेश

गांधीवादी विचारधारा को लेकर लड़ाई लड़नी पड़ रही है जबकि पत्रकार देश का चौथा स्तंभ माना जाता है और जनता की कमजोर आवाज को अपनी कलम के माध्यम से उस आवाज को सरकार और प्रशासन तक पहुंचने का काम करता है अगर बात करे आज के दौर की पत्रिकारिता की तो वर्तमान समय में इस आवाज और लेखनी को अनदेखा कर अधिकारियो द्वारा कमजोर किया जा रहा है जिसको लेकर पत्रकार एकता मंच के द्वारा पूर्व में भी सत्ता पक्ष के क्षेत्रीय विधायकों व सांसद खजुराहो और जिला प्रशासन को एक ज्ञापन पत्र इस संबंध में प्रस्तुत किया जा चुका है साथ ही प्रेषित ज्ञापन प्रत्यक्ष एवं सोशल मीडिया के माध्यम से सभी के पास पहुँचाया भी गया लेकिन जिस पर आज तक जिला प्रशासन पन्ना और ना ही वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों के द्वारा अभी तक इस संबंध में कोई संज्ञान नही लिया गया अब जिले के पत्रकार अपने सामुहिक रूप से अपने कई साथियो के साथ नवीन पन्ना कलेक्ट्रट के पास नगर सेना ग्राउंड के पास बने प्रतीक्षालय पर दिनांक 13-3-24 की सुबह 10 बजे से दिनांक 14-3-24 की सुबह 10 बजे तक सांकेतिक तौर पर भूख हड़ताल पर बैठेंगे यह हमारे देश चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकार साथियों की विडंबना है कि उन्हें अपने हक के लिए गांधीवादी विचारधारा के तहत आज प्रशासन के सामने मजबूर होना पड़ रहा है इसके बाद भी अगर मांगो पर फिर विचार नही किया गया तो अनुविभागी अधिकारी के नाम सौंप गए ज्ञापन पत्र में उल्लेख है की अगली राणनीति तय करके प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के भोपाल स्थित निवास के सामने भूख हड़ताल पर भी बैठेंगे।

मैहर की जनसुनवाई में प्राप्त हुये 30 आवेदन

मैहर कलेक्टरः जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही न किए जाने पर विभागीय अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी

श्री निवास मिश्रा। सिटी चीफ मैहर, 12 मार्च 2024/मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में मैहर कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आये 30 आवेदकों से आवेदन प्राप्त किए गए। मैहर जिले के ग्राम पलोहा की उप सरपंच दुर्गा बाई ने आवेदन देकर बताया कि शासकीय विद्यालय के सामने अवैध शराब बेची जाती है। इसी तरह पहाड़ी के ग्राम बेलदरा से प्रेमचंद गुप्ता ने बिजली का मीटर खराब होने तथा बिजली का बिल अधिक होने की शिकायत कलेक्टर से की। इसी प्रकार ग्राम घुरपुरा की लक्षिमणिया वंशकार ने बताया कि प्रधानमंत्री स्ट्रीट बैंडर आत्मनिर्भर निधि का आवेदन नगरपालिका मैहर द्वारा भराया गया था। लेकिन बैंक द्वारा योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा है। प्राप्त आवेदनों के आधार पर कलेक्टर ने सुनवाई करते हुए विभागीय अधिकारी को त्वरित कार्यवाही करने और समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्रीमती बाटड ने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही न किए जाने पर विभागीय अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, सीईओ प्रतिपाल बागरी, डीपीओ राजेंद्र बांगरे एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गणेश के सामने सिद्धार्थ कुशवाहा बड़ी चुनौती

विधानसभा की तरह ही लोकसभा में भी हो सकते हैं परिणाम चर्चाओं का बाजार गर्म

श्री निवास मिश्रा। सिटी चीफ सतना, सतना लोकसभा की चुनावी सरगर्मियों के बीच भाजपा ने अपने वर्तमान सांसद गणेश सिंह को टिकट देकर मैदान पर उतार दिया है टिकट मिलते ही विधानसभा में करारी शिकायत झेलने वाले सतना सांसद गणेश सिंह ने कुछ राहत की साथ जरूर ली थी मगर कांग्रेस ने भी नहले पर दहला मारते हुए विधानसभा चुनाव में चार बार के सांसद गणेश सिंह को हराकर दूसरी बार विधायक बने सिद्धार्थ कुशवाहा को सतना लोकसभा का टिकट देकर राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। सांसद को विधायक से खतरा- मोदी की लोकप्रियता से सांसद बने गणेश सिंह अभी हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा के चुनाव में करारी हार का सदमा अभी भूल ही नहीं थे कि भाजपा ने उन्हें फिर से टिकट देकर मैदान में उतारा है। लेकिन नहीं सतना से दूसरी बार विधायक बने सिद्धार्थ कुशवाहा की लोकप्रियता के चलते सतना सांसद को केवल विधायक से ही खतरा माना जा रहा है। चर्चाओं का बाजार तो इस कदर गर्म है कि जो परिणाम विधानसभा के चुनाव में देखने को मिले हैं वही परिणाम लोकसभा के चुनाव में भी देखने को मिल सकते हैं लोगों का मानना है कि प्रत्याशी ने केवल चुनावी जगह बदली है परिणाम नहीं बदलने वाला है । अब आगे देखना है कि जनता किसे अपना आशीर्वाद देती है क्योंकि अंतिम निर्णय जनता को ही करना है जनता ही जनार्दन है.

भाजपा का 10 दिवसीय बूथ विजय अभियान विषय पर पत्रकारवार्ता आयोजित

10 फीसदी वोट बढ़ाने का लक्ष्य लेकर बूथों पर पहुंचेंगे कार्यकर्ता - भीमावद

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी के जन्म शताब्दी वर्ष से लेकर बीते दो वर्षों में संगठन के विस्तार और पार्टी का जनाधार बढ़ाने के लिए लगातार बूथ सशक्तीकरण का काम किया गया है। पार्टी के इन्हीं प्रयासों की अगली कड़ी है- बूथ विजय अभियान, जो 13 मार्च से पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन में जिले के सभी बूथों पर संपन्न होगा । इस बार पार्टी नेतृत्व ने पिछले चुनाव के मुकाबले 10 प्रतिशत वोट बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। पार्टी के सभी सक्रिय कार्यकर्ता सांसद विधायक,जनप्रतिनिधि , पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता अभियान के दस दिनों में बूथों पर पहुंचकर दो घंटे बिताएंगे तथा हर बूथ को मोदी बूथ बनाते हुए पार्टी का वोट शेयर 10 प्रतिशत बढ़ाने तथा 370 नए वोट हासिल करने की तैयारी करेंगे।

यह बात वरिष्ठ नेता एवं क्षेत्रीय विधायक अरुण भीमावद ने मंगलवार को जिला कार्यालय पर आयोजित पत्रकारवार्ता में कही। उन्होंने कहा कि आगामी 13 तारीख से शुरू होने वाले बूथ विजय अभियान के दौरान पार्टी के सभी कार्यकर्ता और सभी सातों मोर्चे बूथों पर पहुंचेंगे। सभी मोर्चों और कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां और लक्ष्य दिए गए हैं। अभियान के 10 दिनों में सभी कार्यकर्ता इन कामों को पूरा करते हुए 370 प्लस के लक्ष्य को हासिल करने की तैयारी करेंगे। श्री भीमावद ने बूथों पर किए जाने वाले कुछ प्रमुख कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश में 18-19 साल की आयु के नव मतदाताओं से संपर्क और संवाद किया जाएगा। वहां के प्रबुद्धजन, की वोटर्स और सभी समाजों, वर्गों के प्रमुख लोगों से भी संपर्क किया जाएगा। इसके अलावा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, युवा, महिला, खिलाड़ी, शासकीय योजनाओं के लाभार्थी सहित अन्य सभी वर्गों से छोटी-छोटी बैठकों के माध्यम से संपर्क किया जाएगा। पूर्व और वर्तमान जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नेताओं का सम्मान कर उनसे बूथ में 370 वोट बढ़ाने के लक्ष्य के लिए सहयोग मांगा जाएगा। पन्ना प्रमुखों की बैठक बुलाकर उनसे करणीय कार्यों पर चर्चा की जाएगी। इन कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग प्रवासी कार्यकर्ता संगठन ऐप पर रियल टाइम करेंगे।

370 प्लस का लक्ष्य ही क्यों?

श्री भीमावद ने पार्टी द्वारा हर बूथ पर 370 नए वोटर्स को जोडने् के लक्ष्य को लेकर कहा कि जनसंघ के रूप में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना करने वाले डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में धारा 370 का विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि एक देश में दो निशान, दो प्रधान, दो विधान नहीं चलेंगे। धारा 370 के खिलाफ संघर्ष के दौरान ही डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने अपना बलिदान दे दिया। कार्यकर्ताओं को पार्टी के इतिहास से जोड़े रखने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी.नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है कि वे हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाकर उन्हें डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि स्वरूप समर्पित करें। अभियान के जिला प्रभारी एवं जिला महामंत्री दिनेश शर्मा ने इस पूरे अभियान की जानकारी पत्रकारों को बताई। इस अवसर पर जिला महामंत्री संतोष बराड़ा, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी, जिला कोषाध्यक्ष किरण ठाकुर, जिला कार्यालय मंत्री विपुल कसेरा, नगर मंडल अध्यक्ष नवीन राठौर सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

मीडिया साथियों, आज दिनांक:-- 13/03/2024 आपको सूचित किया जाता है कि राजधानी पटना के राजनीतिक गलियारों मे युवा बिहार सेना (पार्टी) के द्वारा पोस्टर वार किया गया है उस बैनर के माध्यम से पार्टी प्रमुख ई0 राजकुमार पासवान ने तीन महत्वपूर्ण बातों को दरसाया है। संविधान की रक्षा, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर मोदी को खुला चैलेंज करते हुए कहा है कि मोदी के रथ को नहीं होने देंगे 400 के पार और दाबे के साथ कहा है कि भारत के संविधान बचाने के लिए आज एक दलित प्रधानमंत्री की जरूरत है ना कि गुजराती व्यापारी प्रधानमंत्री । आगे और अंत में चाचा पशुपति कुमार पारस और मोदी के हनुमान चिराग पासवान को कहा है कि अबकी बार हाजीपुर सांसद ई0 राजकुमार पासवान ।

वायरल पोस्टर में लिखी मुख्य बातें संविधान की रक्षा में हम हैं तैयार मोदी के रथ को नहीं होने देंगे 400 के पार मैं हूँ भारत का अगला दलित प्रधानमंत्री, अबकी बार हाजीपुर सांसद ई0 राजकुमारपासवान

नोट:--ये वायरल बैनर इंकम टैक्स गोलम्बर, बिहार प्रदेश भाजपा कार्यालय के ठीक सामने, RJD कार्यालय के ठीक सामने जेडीयू ऑफिस सातमुर्ति गोलम्बर आर ब्लॉक और अटल पथ पर देखा जा सकता है ।

बिहार के कवि चंदन चौबे करेंगे शहीद दिवस पर आयोजित कवि सम्मेलन (फुलिया कलां) में शिरकत

अमर शहीद क्रांतिकारी वीर भगत सिंह जी,शहीद राजगुरु जी,शहीद सुखदेव जी की पुण्यतिथि शहीद दिवस (23 मार्च 2024) को फुलिया कलां ग्राम में शहीदों को नमन करने हेतु कवि सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन रखा गया। टीम भगत सिंह आर्मी के उपा अध्यक्ष हर्षित ने बताया कि टीम द्वारा हर वर्ष शहीदों को नमन करने हेतु कार्यक्रम रखा जाता है। जिसमे समस्त ग्रामवासी अपना योगदान देते हैं। कवि सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहीद महावीर सिंह जी के पौत्र असीम राठौड़ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। साथ ही कवि सम्मेलन कार्यक्रम में आमंत्रित कवियों में अजमेर वीर रस के कवि लोकेश चारण,बाड़मेर से श्रृंगार रस के कवि डॉ.जीत परमार ,बाड़मेर से हास्य रस के कवि कविराज पारसमल,बाड़मेर से श्रृंगार रस के कवि जेठानंद पंवार,वैशाली (बिहार) से वीर रस कवि चंदन चौबे, रायला (शाहपुरा) से हास्य रस कवि सोनू नवीन के आने की संतुष्टि मिल चुकी हैं।कार्यक्रम का संपूर्ण आयोजन टीम भगत सिंह आर्मी एवं फुलिया कलां ग्रामवासियों के सहयोग से करवाया जा रहा है। टीम भगत सिंह आर्मी के सभी सदस्य विद्यार्थी है,उन सभी के द्वारा की जा रहीं इस पहल के लिए समस्त ग्रामवासियों ने टीम का हौसला अफजाई किया।

स्पेनिश तट के पास प्रवासी नाव पर 7 लोगों की मौत, दर्जनों अस्पताल में भर्ती

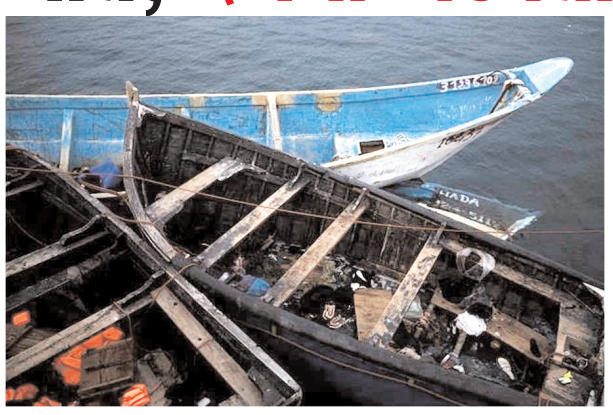

इंटरनेशनल डेस्क = स्पेन में ग्रैन कैनरिया द्वीप से लगभग 140 किलोमीटर दक्षिण में मंगलवार सुबह एक प्रवासी नाव को बचाए जाने के बाद कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्पेनिश समुद्री बचाव सेवाओं ने यह जानकारी दी है। बचाव सेवाओं ने कहा कि ये मौतें गंभीर निर्जलीकरण के कारण हुईं। नाव पर सवार प्रवासी स्पेनिश तट तक पहुंचने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नाव को सोमवार को रात लगभग आठ बजे एक व्यापारी जहाज ने देखा, जिसने बचाव सेवाओं को सतक ंकर दिया। सहायता के लिए दो हेलीकॉप्टर और एक बचाव जहाज भेजा गया। उन्होंने बताया कि प्रवासी नाव पर दो शव मिले, जबकि 34 लोग जीवित थे, जिनमें 27 पुरुष और सात महिलाएं थीं। वे उप-सहारा अफ्रीका से बताए गए हैं। जीवित बचे लोगों ने बताया कि अफ्रीका के उत्तर-पश्चिमी तट से खतरनाक क्रासिंग पार करते समय पांच व्यक्तियों की मौत हो गई थी, उनके शव समुद्र में फेंक दिए गए थे। कैनरी आइलैंड्स आपातकालीन सेवाओं और रेड क्रॉस ने तट पर जीवित बचे लोगों के इलाज के लिए एक आपातकालीन केंद्र की स्थापना की। इनमें से अधिकांश लोग गंभीर निर्जलीकरण से पीड़ति थे, जिनमें से दो 24 वर्षीय पुरुषों की हालत गंभीर है।

इंडोनेशिया में जहाज डूबने से 2 मछुआरों की मौत, 24 लापता

इंटरनेशनल डेस्क = इंडोनेशिया में दक्षिण सुलावेसी प्रांत के जलक्षेत्र में एक जहाज के डूबने से दो मछुआरों की मौत हो गई और 24 अन्य लापता हो गए है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय खोज और बचाव कार्यालय के एक प्रेस अधिकारी मुहम्मद नूरसल ने कहा कि शनिवार को प्रांत के सेलयार द्वीपों के पास पानी में नौकायन करते समय जहाज भारी लहरों की चपेट में आ गया था। इस घटना का पता द्वीपों के निवासियों को मंगलवार को स्थानीय समयानुसार शाम 19ः00 बजे चला जहां पीड़ति फंसे हुए थे। उन्होंने फोन के जरिए बताया,''तुरंत खोज और बचाव अभियान चलाया गया है। हमारी टीम अब घटनास्थल पर जा रही है।'' उन्होंने बताया कि 37 लोगों को लेकर मछली पकड़ने वाला जहाज पश्चिमी इंडोनेशिया के जकार्ता से मध्य इंडोनेशिया के जलक्षेत्र के लिए रवाना हुआ था। श्री नूरसल ने कहा,''सेलयार द्वीप पर 13 लोग फंसे हुए हैं, जिनमें से दो की मौत हो चुकी है।'' इंडोनेशियाई मौसम विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने द्वीपसमूह देश इंडोनेशिया में चरम मौसम की चेतावनी दी है।

रूसी सेना का विमान उड़ान भरते ही हुआ क्रैश, 15 लोग थे सवार

मास्को= रूसी सेना का एक परिवहन विमान मंगलवार को पश्चिमी रूस के एक हवाई अड्डे से उड़ान भरते ही क्रैश हो गया। देश के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। विमान में 15 लोग सवार थे। मंत्रालय के मुताबिक, आईएल-76 विमान इवानोवो क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें चालक दल के आठ सदस्य और सात यात्री सवार थे। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, उड़ान भरने के दौरान इंजन में आग लगने को दुर्घटना का संभावित कारण बताया जा रहा है।

चीन ने मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी पर उगला जहर

स्वतंत्रता-संप्रभुता और स्वायत्तता का मुद्दा उठाया

इंटरनेशनल डेस्क:मालदीव के साथ समझौते के तहत भारतीय सैनिकों की वापसी शुरू हो गई है औरसैनिकों का पहला जत्था मालदीव छोड़ चुका है। इस बीच मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू सरकार के साथ दोस्ती बढ़ा रहे चीन ने भारतीय सैनिकों की वापसी पर जहर उगला है। चीन ने इसे मालदीव की संप्रभुता और स्वायत्तता से जोड़ दिया है। मालदीव से भारतीय सैनिकों का पहला बैच वापस लौट गया है। इनकी जगह भारत से गए असैन्य कर्मियों ने भारतीय प्लेटफॉर्मों को ऑपरेट करने का चार्ज भी संभाल लिया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने मालदीव में तैनात भारतीय सैन्यकर्मियों के पहले बैच के प्रस्थान को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, चीन अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता की रक्षा करने में मालदीव का समर्थन करता है और स्वतंत्रता और स्वायत्तता के आधार पर सभी पक्षों के साथ मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान और सहयोग विकसित करने में मालदीव का समर्थन करता है। रिपोर्ट है कि चीनी नौसेना मालदीव में एक नौसैनिक रडार स्थापित करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए मुइज्जू सरकार की ओर से जरूरी मंजूरी भी दे दी गई है। मुइज्जू ने खुद कहा था कि उनकी सरकार अगले कुछ महीनों में मालदीव के आर्थिक अनन्य क्षेत्र की निगरानी के लिए रडार स्थापित करने जा रही है। चूंकि मालदीव के पास ऐसे रडार बनाने की कोई क्षमता नहीं है। ऐसे में संभावना है कि इस नौसैनिक रडार को चीन स्थापित करे। चीनी रडार स्थापित होने से भारत की जासूसी का खतरा बढ़ जाएगा। इतना ही नहीं, चीन हिंद महासागर से होने वाले समुद्री परिवहन पर भी नजर रख सकेगा। फरवरी के अंतिम हफ्ते में 26 भारतीय असैन्य कर्मियों का एक दल मालदीव पहुंचा था। बताया जा रहा है कि भारत ने मालदीव को गिफ्ट किए एक हेलीकॉप्टर को भी बदल दिया है। मालदीव की चीन समर्थ मुइज्जू सरकार इसे अपनी जीत के तौर पर प्रचारित कर रही है। इस बीच भारतीय सैनिकों की वापसी पर मुइज्जू के आका चीन की भी प्रतिक्रिया आ गई है। चीनी विदेश मंत्रालय ने भारतीय सैनिकों की वापसी को लेकर मालदीव की स्वतंत्रता, संप्रभुता और स्वायत्तता का राग अलापा है

रामलला के भक्तों के लिए आई अच्छी खबर

अब दूरदर्शन पर रोज सुबह दिखेगी राम मंदिर की आरती

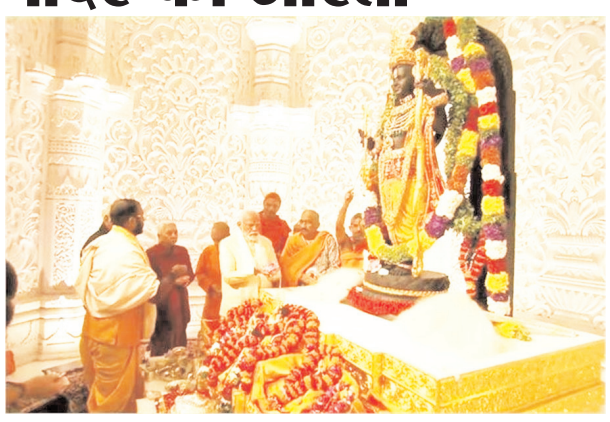

नेशनल डेस्क= रामलला के भक्तों के लिए एक अच्छी खबर है। अब भक्तों को घर बैठे ही रमलला के दर्शन और आरती देखने को मिलेगी। रमला के हर दिन सीधे अयोध्या से आरती का लाइव प्रसारण देख सकते हैं। दूरदर्शन नेशनल हर दिन सुबह 6ः30 बजे अयोध्या में राम मंदिर से दैनिक आरती का प्रसारण करेगा। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी को आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद 23 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर को जनता के लिए खोल दिया गया था। जिसके बाद से ही वहां भक्तों की भारी भीड़ देखी जा रही है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुताबिक, राम मंदिर परिसर का अधुरा निर्माण इस साल दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। मंदिर ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने बताया कि तीन मंजिला मंदिर भवन की शेष दो मंजिलों के निर्माण में तेजी लाने के लिए जल्द ही 3,500 से अधिक अतिरिक्त श्रमिकों को तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंदिर में कुल पांच शिखर होंगे। इनमें से तीन को प्रतिष्ठा समारोह से पहले तैयार कर लिया गया है। जिसमें मुख्य शिखर 161 फीट ऊंचा बनाया गया है और उस पर सोने की परत चढ़ी हुई है। अयोध्या के जिला मजिस्ट्रेट नितीश कुमार ने कहा कि मंदिर परिसर के निर्माण के अलावा, राम जन्मभूमि के पश्चिमी छोर पर टेढ़ी बाजार से अशर्फी भवन और विभीषण कुंड होते हुए डाकघर तक की सड़क को 15 मीटर चौड़ा किया जाएगा। राम मंदिर को भगवान को आराम देने के लिए हर दिन दोपहर में एक घंटे के लिए बंद कर दिया जाता है। हाल ही में मंदिर ट्रस्ट ने दर्शन का समय सुबह 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक कर दिया है। 23 जनवरी से, सुबह की पूजा के लिए भगवान को सुबह 4 बजे जगाया गया। भक्तों को दर्शन की अनुमति देने में लगभग दो घंटे लगते हैं। बता दें कि 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अब तक लगभग 75 लाख श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके हैं।

बेंगलुरु पर पेयजल किल्लत की भयंकर मार, देश के तीसरे बड़े शहर से पलायन को मजबूर होते लोग

नेशनल डेस्क= जल ही जीवन है या पानी बचाओ, भविष्य बनाओ जैसे अनगिनत स्लोगन हैं जिनके प्रति देश के उन शहरों के लोग कतई गंभीर नहीं हैं, जिन्हें सुबह शाम जरूरत से ज्यादा या पर्याप्त मात्रा में पानी मयस्सर हो रहा है। दरअसल हम यहां बात करने जा रहे हैं कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु की जहां लोग भयंकर पेयजल किल्लत की मार झेल रहे हैं और उन्हें शायद पानी बचाने के उक्त स्लोगन अब अच्छी तरह से समझ आने लगे हैं। बेंगलुरु भारत का तीसरा सबसे बड़ा शहर है। करीब 84 लाख आबादी वाले शहर में पेयजल संकट इतना गहरा गया है कि यहां के बाशिंदे अब शहर छोड़ कर कहीं ओर बसने पर विचार करने लगे हैं। यही नहीं बल्कि भविष्य में भी पानी की आपूर्ति की चिंता में अब बेंगलुरु की रियल एस्टेट मार्केट में निवेश करने के बारे में पुनर्विचार करने को मजबूर हो चले हैं। शौचालयों के लिए पर्याप्त पानी नहीं बेंगलुरु में सबसे ज्यादा वे लोग परेशान है जो किराए के मकानों या अपार्टमेंट्स में किराएदार हैं। यह वह आबादी है जो जिनके पास शहर छोड़ने का भी विकल्प नहीं है। पेयजल संकट के कारण इनकी हालत ऐसी हो चली है कि वे पानी से जुड़ी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में भी असमर्थ हैं। घर की किराए की मोटी रकम अदा करने के बावजूद लोगों शौचालय के लिए पर्याप्त पानी तक नहीं मिल रहा है। दक्षिणी बेंगलुरु के उत्तरहल्ली के एक निवासी के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि वह पहले बेंगलुरु में संपत्ति खरीदने पर विचार कर रहा था, लेकिन पानी की कमी को देखते हुए उसने अब अपना इरादा ही बदल दिया है। शहर छोड़ने के लिए वर्क फॉर्म होम एक विकल्प बताया जा रहा है कि शहर के करीब 15 साल ज्यादातर बोरवेल सूख चुके हैं। पानी हासिल करने के लिए टैंकरों पर उमड़ती भीड़ सामुदायिक तनाव को बढ़ावा दे रही हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए दूसरे शहर या राज्य से आए तकनीकी पेशेवर अब अपने संस्थानों से वर्क फॉर्म होम (डब्ल्यू.एफ.एच.) की मांग करने लगे हैं। उनका मानना है कि यह व्यवस्था जल संरक्षण प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। तकनीकी विशेषज्ञों का तर्क है कि डब्ल्यू.एफ.एच. की व्यवस्था कर्मचारियों को अपने गृहनगर में स्थानांतरित होने की अनुमति देगी, जिससे शहर के जल संसाधनों पर दबाव कम होगा। 1,500 रुपये में मिल रहा है 6 हजार लीटर पानी पेयजल किल्लत के कारण बेंगलुरु में पानी का कारोबार तेज हो गया है। कई बार तो लोगों को पानी की मजबूरन भारी भरकम कीमत चुकानी पड़ रही है। बेंगलुरु के पूर्वी उपनगर मराठाहल्ली में एक बहुराष्ट्रीय निगम (एमएनसी) के लिए काम करने वाले एक अन्य तकनीकी विशेषज्ञ दीपक राघव के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्हें हर हफ्ते 6,000 लीटर पानी के लिए 1,500 रुपये का भारी भुगतान करना पड़ता है क्योंकि उनके किराए के घर में ट्यूबवेल सूख गया है। याद आने लगे पानी बचाओ के नारे इस बीच बेंगलुरु-होसुर रोड पर बेगुर में नोबल रेजीडेंसी के निवासियों ने हाल ही पानी का दुरुपयोग बंद करो, भावी पीढ़ियों के लिए पानी बचाओ नारे के साथ एक %वॉकथॉन% का आयोजन किया। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्हें भविष्य में भी पानी की किल्लत का अहसास हो चला है। इस दौरान ब्यूटीफुल बेगुर एसोसिएशन के नेता प्रकाश ने पानी की कमी को दूर करने के लिए बोरवेल पर सरकार की निर्भरता के बारे में संदेह व्यक्त किया। क्या कहते हैं राज्य के उपमुख्यमंत्री कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिव कुमार ने पेयजल किल्लत के बीच दावा किया कि शहर में पानी के व्यापार को रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि शहर में 16,000 बोरवेलों में से 7,000 गैर-कार्यात्मक हैं। इस संकट से निपटने और सभी निवासियों के लिए पानी की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड, ब्रुहट बेंगलुरु महानगर पालिका और नोडल अधिकारियों सहित विभिन्न प्राधिकरणों की ओर से ठोस प्रयास चल रहे हैं। इसके अलावा स्लम क्षेत्रों में मुफ्त पानी उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जापान में निजी कंपनी के प्रथम रॉकेट में प्रक्षेपण के कुछ पल बाद ही विस्फोट

टोक्यो: जापान में एक निजी कंपनी द्वारा अंतरिक्ष की कक्षा में भेजे जा रहे एक रॉकेट में बुधवार को प्रक्षेपण के थोड़ी देर बाद ही विस्फोट हो गया। इसे जापान में निजी क्षेत्र की किसी कंपनी का पहला रॉकेट बताया जा रहा था। ऑनलाइन वीडियो में दिख रहा है कि 'कैरोस नामक रॉकेट को मध्य जापान के वाकायामा प्रांत के अपतटीय क्षेत्र से प्रक्षेपित किया जाता है लेकिन इसके उड़ान भरते ही कुछ सैकंड में विस्फोट हो जाता है। इलाके में धुएं का भारी गुबार देखा गया और कुछ जगहों पर आग की लपटें उठने लगीं। वीडियो में दिख रहा है कि आग बुझाने के प्रयास में उस स्थान पर पानी डाला जा रहा है। यह रॉकेट तोक्यो स्थित स्टार्ट-अप 'स्पेस वन का था और उसने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। जापानी मीडिया की खबरों के अनुसार, प्रक्षेपण में पहले ही कई बार देरी हो चुकी थी और आखिरी बार शनिवार को एक जहाज को खतरे वाले क्षेत्र में देखे जाने के बाद प्रक्षेपण को स्थगित किया गया था। अगर यह कामयाब हो जाता, तो 'स्पेस वन अंतरिक्ष की कक्षा में रॉकेट भेजने वाली पहली निजी कंपनी होती।

चार साल के बाद भी टला नहीं है कोविड का खतरा, अमरीकी वैज्ञानिकों ने किया बड़ा खुलासा

नेशनल डेस्क= कोविड महामारी को पूरे चार साल बीत चुके हैं। रोजमर्रा की जिंदगी में लोग इतने ज्यादा मसरूफ हैं कि शायद ही इस महामारी के भयावह काल की किसी को याद आती होती हो। अलबत्ता आनी भी नहीं चाहिए, लेकिन वैज्ञानिकों की मानें तो अतीत की गर्त में दफन हो चुकी इस बीमारी का अभी भी खतरा टला नहीं है। इस बीमारी से अभी तक देश की आबादी पूरी तरह से उबर नहीं पाई है। अमरीका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन फ्रांसिस्को के वैज्ञानिकों ने कोविड को लेकर बड़ा खुलासा किया है। वैज्ञानिकों को कोविड का दंश झेल चुके लोगों में 14 माह या दो साल के बाद भी उनके टिशू के नमूनों में कोविड के एंटीजन मिले हैं। इस अध्ययन से एक बात तो वैज्ञानिकों ने साबित कर दी है कि कोविड वायरस स्वस्थ इंसान के अंदर भी लंबे समय तक रह सकता है। लॉन्ग कोविड की समस्या ज्यादा गंभीर इस बारे में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन फ्रांसिस्को के स्कूल ऑफ मेडिसिन और इन दोनों अध्ययन का नेतृत्व करने वाले शोधकर्ता डॉक्टर माइकल पेलुसो ने मीडिया को जारी किए गए बयान में कहा है कि ये अध्ययन इस बात के पुख्ता सबूत पेश करते हैं कि कुछ लोगों में कोविड-19 एंटीजन प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के सामान्य बने रहने के बावजूद मौजूद रह सकते है। इस अध्ययन के नतीजे तीन से छह मार्च 2024 के बीच डेनवर में रेट्रोवायरस पर आयोजित सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए थे। इस महामारी की शुरूआत में पहले यह माना जा रहा था कि कोविड-19 एक अल्पकालिक बीमारी है। हालांकि रोगियों की बढ़ती संख्या में महीनों या वर्षों बाद भी मस्तिष्क पर पड़ते प्रभावों के साथ-साथ, पाचन और रक्त प्रवाह सम्बन्धी समस्याएं जैसे स्थाई लक्षण अनुभव किए गए थे। जो दर्शाता है कि लॉन्ग कोविड की समस्या कहीं ज्यादा गंभीर है। 171 लोगों के रक्त के नमूनों की जांच इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने कोविड-19 से संक्रमित हुए 171 लोगों के रक्त के नमूनों की जांच की थी। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने कोविड-19 के स्पाइक प्रोटीन को गहराई से जानने के लिए एक अति-संवेदनशील परीक्षण की मदद ली है। बता दें कि वायरस के मानव कोशिकाओं में प्रवेश करने में यह स्पाइक प्रोटीन बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अध्ययन के जो नतीजे सामने आए हैं वो दर्शाते है कि कुछ लोगों में यह वायरस 14 महीनों तक बना रह सकता है। बिना संक्रमण के शरीर के अंदर मिला वायरस रिसर्च के जो नतीजे सामने आए हैं उनके मुताबिक जो लोग कोविड-19 के कारण अस्पताल में भर्ती हुए थे, उनमें अन्य संक्रमितों की तुलना में कोविड-19 एंटीजन के पाए जाने की आशंका करीब दोगुनी थी। इसके साथ ही इसकी सम्भावना उन लोगों में भी अधिक थी, जिन्होंने संक्रमण के दौरान गंभीर लक्षणों को अनुभव किया था। हालांकि इन लोगों को अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया था। चूंकि यह माना जाता है कि वायरस टिशुज में बना रहता है, इसे समझने के लिए वैज्ञानिकों ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के लॉन्ग कोविड टिश्यू बैंक से नमूने लिए थे। इनकी जांच से पता चला है कि संक्रमण के दो वर्ष बाद भी टिशुज में वायरस से जुड़े आरएनए के अंश मौजूद थे। हालांकि उन लोगों के दोबारा संक्रमित होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। अभी भी सक्रिय हो सकता यह भी सामने आया है कि इनके अंश संयोजी ऊतकों में मौजूद थे, जहां प्रतिरक्षा कोशिकाएं मौजूद थी। यह दर्शाता है कि वे प्रतिरक्षा प्रणाली को ट्रिगर कर सकते हैं। वहीं कुछ नमूनों से पता चला है कि वायरस अभी भी सक्रिय हो सकता है। ऐसे में देखा जाए तो यह एक कारण हो सकता है कि लोग बार-बार कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं। ऐसे में कोरोना से जुड़े जोखिमों से बचने के लिए सभी लोगों को सावधानी बरतने की आवश्यकता है। हालांकि साथ ही शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि क्या यह अंश लॉन्ग कोविड और उससे जुड़े जोखिमों जैसे दिल के दौरे और स्ट्रोक जैसी बीमारियों के खतरे को बढ़ा सकते हैं, इसे समझने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। देश में कोरोना के 1,076 मामले सक्रिय विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक कोविड-19 वायरस अब तक दुनिया भर में 77,47,71,942 लोगों को संक्रमित कर चुका है। इनमें से 70,35,337 लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि बाकी इस महामारी से उबर चुके हैं। हालांकि इनमें से बहुत से लोग अभी भी लॉन्ग कोविड से होने वाली समस्याओं से जूझ रहे हैं। भारत से जुड़े आंकड़ों को देखें तो 12 मार्च 2024 को स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है कि देश में कोरोना के 1,076 मामले अभी भी सक्रिय हैं। वहीं साढ़े चार करोड़ से ज्यादा लोग अब तक देश में इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 5,33,510 संक्रमितों की मृत्यु हो चुकी है जबकि 4,44,97,114 लोग इस बीमारी से उबर चुके हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569